डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

PG-5

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

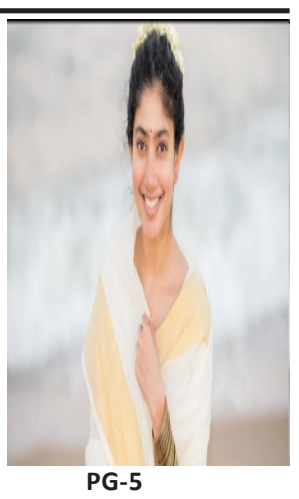

सिनेमा- जब परिवार वाले ही बन गए थे साई पल्लवी के प्यार के दुश्मन

वर्ष -08 अंक -115 | प्रयागराज, मंगलवार 12 जुलाई, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

एकतरफा प्यार में घर में घुसकर महिला को चाकू घोंपा

फरीबदाबाद। आरोपी ने खुद पर भी किया वारमहिला और आरोपी प्राइवेट कंपनियों में काम करते हैं। महिला का आरोप है आरोपी सुनील कई दिन से उसे परेशान कर रहा था। बहादुरगढ़ शहर में एक युवक ने एकतरफा प्यार में मंगलवार की सुबह महिला को चाकू मार दिया। इसके बाद आरोपी ने खुद को भी चाकू मार लिया। चीख-पुकार मची तो आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी और दोनों को सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची लाइनपार थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अब तक इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं हो सका है। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश का मूल निवासी युवक एक महिला से एकतरफा प्रेम करता था। युवक की उम्र महिला से करीब 13 साल कम है।

हिसार में एक मां ने अपनी नौ साल की बेटी की अश्लील वीडियो वायरल कर मांगे पैसे...............

सोनिपत । पुलिस तक पहुंचा मामला चाइल्ड हेल्पलाइन के सदस्य मनोज कुमार कौशिक ने बताया कि उन्होंने एचटीएम थाना पुलिस में शिकायत दी। मामले के जांच अधिकारी एसआई सुनील कुमार ने बताया कि केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जल्द ही महिला को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हिसार के एक मोहल्ले में रहने वाली महिला ने अपनी नौ साल की बेटी की खरीद-फरोख्त के लिए लोगों के पास अश्लील वीडियो भेजी। महिला ने लोगों के पास वीडियो और ऑडियो भेज दो लाख रुपये की मांग की। मामला उजागर होने पर एक व्यक्ति ने चाइल्ड हेल्पलाइन पर शिकायत कर दी। चाइल्ड हेल्पलाइन से जुड़े सदस्यों ने पुलिस थाने में शिकायत दी। पुलिस ने व्यक्ति की शिकायत पर महिला के खिलाफ खरीद-फरोख्त, आईटी एक्ट और जेजे एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में एक व्यक्ति ने कहा कि वह हलवाई है। एक महिला उसके पास काम करती थी।

गोवा में ऑपरेशन लोटस फेल

गोवा ।11 में से 10 कांग्रेस विधायकों ने वासनिक की बैठक में लिया हिस्सा बगावत की खबरों के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुकुल वासनिक ने सोमवार को बैठक बुलाई थी। इस बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर कामत के अलावा माइकल लोबो सहित अन्य सभी कांग्रेस विधायक दो घंटे से अधिक समय तक मौजूद रहे भाजपा के कथित ऑपरेशन लोटस को कांग्रेस ने गोवा में नाकाम कर दिया है। यहां पार्टी अपने विधायकों की नाराजगी दूर करने में लगभग कामयाब होती दिखाई दे रही है। दरअसल, बगावत की खबरों के बीच कांग्रेस ने यहां वरिष्ठ नेता मुकुल वासनिक को भेजा था। अब खबर है कि सोमवार रात हुई बैठक में गोवा कांग्रेस के 11 विधायकों में से 10 ने इसमें हिस्सा लिया। इस बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर कामत के अलावा माइकल लोबो सहित

अन्य सभी कांग्रेस विधायक दो घंटे से अधिक समय तक मौजूद रहे। इसके अलावा कांग्रेस के गोवा मामलों के प्रभारी दिनेश गुंडू राव और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमित पाटकर भी बैठक में मौजूद थे। इस बीच मुकुल वासनिक ने दावा किया कि कुछ लोग गलत इरादों से गोवा कांग्रेस में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं, हालांकि विधायकों ने एकजुटता दिखाकर इसे नाकाम कर दिया है। कामत व लोबो समेत पांच विधायक नहीं थे संपर्क में इससे पहले बीते रविवार को कामत और लोबो सहित कांग्रेस के पांच विधायक पार्टी के संपर्क में नहीं थे। हालांकि, बाद में ये विधायक सोमवार को मानसून सत्र के पहले दिन गोवा विधानसभा की कार्यवाही में शामिल हुए। विधायकों ने दावा किया कि सब कुछ सही है और वे पार्टी के साथ हैं। इस बीच पार्टी ने लोबो को नेता प्रतिपक्ष के पद से भी हटा दिया। बगावत से भाजपा का लेना देना नहीं इस बीच गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश कांग्रेस के विधायक दल में बगावत से भारतीय जनता पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है।

गुजरात-महाराष्ट्र में बारिश ने थामी जिंदगी की रफ्तार

नई दिल्ली। कई राज्यों में मानसून से हाहाकारदेश के कई राज्यों में बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। गुजरात के कई जिलों में बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। मुंबई में 14 जुलाई तक बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। वहीं दिल्ली में आज शुरू हुई बारिश के बाद कई जगह जाम की स्थिति उत्पनन्‍ हो गई। देश के कई राज्यों में बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। गुजरात और महाराष्ट्र में तो हाहाकार मचा हुआ है। गुजरात के कई जिलों में बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। यहां अब तक 61 लोगों की मौत की खबर है। वहीं महाराष्ट्र में भी पिछले कई दिनों से जारी बारिश के कारण लोगों का जीना मुहाल हो गया है। इस बीच राजधानी दिल्ली में आज की सुबह सुहाना मौसम लेकर आई। सुबह से यहां बादल घिरे रहे। करीब 10 बजे के आसपास तेज बारिश शुरू हो गई। वहीं उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान में भी बारिश के कारण जलभराव की स्थिति बनी हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मुंबई में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस बीच मंगलवार सुबह से ही यहां के कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई। हालांकि, यहां अभी

तक जलभराव की सूचना नहीं है। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया, अगले 24 घंटों में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मुंबई में 14 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। नासिक में स्कूल बंद महाराष्ट्र के नासिक में पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के बाद मंगलवार को स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए और बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया। यहां पिछले 24 घंटे के दौरान 97.4 मिमी बारिश हुई। सोमवार को जिले के सप्तश्रृंगी मंदिर के पास बाढ़ के कारण छह श्रद्धालुओं के घायल होने की खबर है। वहीं पुणे में एक इमारत गिरने से चार लोग घायल हो गए। दिल्ली-एनसीआर में येलो अलर्ट दिल्ली-एनसीआर में आज दिनभर भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

आम आदमी पार्टी से पूछा- क्या प्रदेश की समस्याओं को समझने वाले लोग पंजाब में नहीं..........

नई दिल्ली। भाजपा का आरोप है कि राघव चड्ढा आम आदमी पार्टी के विभिन्न पदों पर काम कर चुके हैं, वे पार्टी के विस्तार के लिए काम करते रहे हैं। अब वे इस पद पर बैठकर ऐसे फैसले लेंगे, और पंजाब के अधिकारियों से लागू करवाएंगे, जिससे आम आदमी पार्टी का

विस्तार होगा, लेकिन इसमें पंजाब का नुकसान होगा पंजाब सरकार ने आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा को सलाहकार कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। यह कमेटी पंजाब की समस्याओं पर लोगों से बातचीत करेगी और इन समस्याओं के निराकरण के लिए सरकार को आवश्यक परामर्श देगी। इसके साथ ही पंजाब की भगवंत मान सरकार पर विपक्ष ने हमला बोल दिया है। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि यह पंजाब को दिल्ली के इशारों पर चलाने की 'साजिश' है। अब पंजाब के हर फैसले दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के इशारे पर लिए जाएंगे और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान केवल सजावटी मुख्यमंत्री साबित होंगे। मुख्यमंत्री की शादी के बाद उन पर यह पहला राजनीतिक हमला हुआ है। राघव चड्ढा मूलरूप से दिल्ली से हैं। वे दिल्ली के राजेंद्र नगर से पूर्व विधायक रहे हैं और आम आदमी पार्टी में विभिन्‍न पदों पर काम कर चुके हैं। उनकी इस पहचान के सहारे भाजपा उन्हें गैर-पंजाबी बताकर इस नियुक्ति को पंजाब और पंजाबियत का अपमान बता रही है। पार्टी ने कहा है कि पंजाब में बहुत योग्य और राजनीतिक-प्रशासनिक रूप से बहुत परिपक्व लोग मौजूद हैं। लेकिन पंजाब की समस्याओं पर पंजाब के बाहर के व्यक्ति को बिठाना सांकेतिक रूप से यही दिखाता है कि पंजाब के लोग अपने राज्य का प्रशासन चलाने में सक्षम नहीं हैं। विपक्ष का आरोप है कि जो व्यक्ति पंजाब का नहीं है, वह पंजाब को नहीं समझता है, वह पंजाब की समस्याओं पर कोई ठोस राय कैसे दे सकता है। भाजपा नेता सरदार आरपी सिंह ने अमर उजाला से कहा कि इसके पूर्व अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के अधिकारियों की बैठक ली थी। दिल्ली का मुख्यमंत्री होने के कारण वे पंजाब के अधिकारियों की कोई बैठक नहीं ले सकते थे।

तीस्ता के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों की आलोचना राजनीति से प्रेरित...............

नई दिल्ली। 190 पूर्व जजों व नौकरशाहों की रायसेवानिवृत्त जजों, नौकरशाहों व पूर्व सैन्य अधिकारियों ने आज बयान जारी कहा कि गुजरात दंगा मामले की एक्टिविस्ट तीस्ता सीतलवाड़ व अन्य के खिलाफ एफआईआर उचित और पूरी तरह से कानून के अनुसार है। गुजरात दंगों को लेकर फर्जी सबूत गढ़ने के मामले में गिरफ्तार सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ के बचाव में आए सिविल सोसायटी के कुछ लोगों के खिलाफ मंगलवार को 190 पूर्व जज व अफसर मैदान में आ गए। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई तीस्ता की निंदा की आलोचना करना राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने तीस्ता के खिलाफ आपराधिक केस का भी समर्थन किया। सेवानिवृत्त जजों, नौकरशाहों व पूर्व सैन्य अधिकारियों ने आज बयान जारी कहा कि गुजरात दंगा मामले की एक्टिविस्ट तीस्ता सीतलवाड़ व अन्य के खिलाफ एफआईआर उचित और पूरी तरह से कानून के अनुसार है। तीस्ता व अन्य को हाल ही में गिरफ्तार किया जा चुका है। बयान में यह भी कहा गया है कि आरोपियों के पास अपने बचाव के लिए न्यायिक उपचार का अधिकार हमेशा रहता है।

आई 2 यू 2 के पहले शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। क्या हैं इस ताकतवर संगठन के मायने? पीएम मोदी के अलावा, इस शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, इस्राइली पीएम नफ्ताली बेनेट और यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान वर्चुअली शामिल होंगे। भारत, इस्राइल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और अमेरिका के नए ताकतवर समूह आइ2 यू2 का पहला शिखर

सम्मेलन 14 जुलाई को होगा। यह सम्मेलन ऑनलाइन होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी के अलावा, इस शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, इस्राइली पीएम नफ्ताली बेनेट और यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान वर्चुअली शामिल होंगे। 'आई2यू2' में आई का मतलब इंडिया और इस्राइल से है। वहीं यू का मतलब यूएई व यूएस(अमेरिका) से है। के गठन के समय, अमेरिकी अधिकारी ने बताया था कि 'हमारे कुछ साझीदार मध्य-पूर्व से परे भी हैं। इस साझीदारी को हम आगे बढ़ाएंगे। राष्ट्रपति बाइडन घ्2ळ2 देशों के प्रमुखों के साथ वर्चुअल सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस दौरान खाद्य सुरक्षा संकट और सहयोग के अन्य क्षेत्रों पर बात करेंगे। दरअसल, भारत बेहद बड़ा बाजार है। वह हाईटेक और सबसे ज्यादा मांग वाले उत्पादों का भी बड़ा उत्पादक है। ऐसे बहुत से क्षेत्र हैं, जहां ये देश मिलकर काम कर सकते हैं। फिर वह तकनीक, कारोबार, पर्यावरण, कोविड-19 और सुरक्षा ही क्यों न हो क्वाड व ब्रिक्स के बाद भारत आई2यू2 में भी अहम देश एक ओर चीन एशिया में प्रभुत्व बढ़ाने के लिए पड़ोसियों पर दबदबा बना रहा है, वहीं भारत भी रणनीतिक रूप से मजबूत हो रहा है। इसी के तहत क्वाड और ब्रिक्स के बाद भारत आई2यू2 में अहम देश बन गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत को क्वाड में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान का सहयोग प्राप्त है तो दूसरी तरफ ब्रिक्स में चीन, रूस और ब्राजील जैसे देशों के संगठन में भी अहम माना जा रहा है। चीन क्यों घबरा रहा जब अक्टूबर 2021 में पहली बार भारत, इस्राइल, यूएस और यूएई के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी, तब समुद्री सुरक्षा, बुनियादी ढांचे, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और ट्रांसपोर्टेशन से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हुई थी। उस वक्त इस बैठक का बड़ा मुद्दा इस्राइल और यूएई के बीच संबंधों को सामान्य बनाना भी था। भारत में यूएई के राजदूत ने उस वक्त इस नए गुट को 'पश्चिमी एशिया का क्वॉड' बताया था। विदेश मामलों के जानकार डॉ. आदित्य पटेल कहते हैं, 'इस समूह के अंतर्गत समुद्री सुरक्षा के मसलों पर भी बातचीत होगी।

प्रीतम संग हरक के घर पहुंचे विधायक तो बढ़ गई हलचल

देहरादुन। चाय पार्टी से रही सियासी गरमाहट विधानसभा में चुनावी हार के बाद हरक सिंह रावत कांग्रेस की राजनीति से लगभग गायब ही नजर आ रहे थे। ऐसे में अचानक पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह कुछ विधायकों और पूर्व विधायकों के साथ उनके घर पहुंचे तो राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। उत्तराखंड में सोमवार का दिन कांग्रेस के लिए हलचल भरा रहा। इधर, दो पदाधिकारियों ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया तो उधर पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत के घर पर कांग्रेस विधायकों की चाय पार्टी ने राजनीतिक गलियारों में गरमाहट बढ़ा दी। विधानसभा में चुनावी हार के बाद हरक सिंह रावत कांग्रेस की राजनीति से लगभग गायब ही नजर आ रहे थे। ऐसे में अचानक सोमवार को पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह कुछ विधायकों और पूर्व विधायकों के साथ उनके घर पहुंचे तो राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। हालांकि पार्टी नेताओं ने इसे औपचारिक मुलाकात बताया। कांग्रेस नेताओं की हरक सिंह के घर पर मौजूदगी की खबर मीडिया को लगी तो थोड़ी देर में वहां मीडिया कर्मियों का जमावड़ा लग गया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए हरक सिंह रावत ने कहा कि कांग्रेस उत्तराखंड सहित पूरे देश में कमजोर हुई है। मजबूत सत्तापक्ष को मजबूत विपक्ष ही कड़ी टक्कर दे सकता है। उनके अनुसार उत्तराखंड में कांग्रेस को कैसे मजबूत किया जाए, इस बारे में पार्टी नेताओं ने बैठकर बातचीत की। वहीं, पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने इस बैठक को औपचारिक मुलाकात बताया। उन्होंने कहा कि जहां राजनीतिक लोग बैठेंगे, वहां राजनीतिक बातचीत भी होगी ही। है। ऐसे में पार्टी अपने नेताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। इस दौरान पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण, राजकुमार और महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लाल चंद शर्मा भी मौजूद थे। हरक ने साधा हरीश पर निशाना पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत ने एक हरक सिंह रावत ने साफ तौर पर कहा कि अब हम ऐसे पड़ाव पर हैं, जब हमें गंभीरता दिखानी चाहिए। लेकिन हरीश भाई ऐसी गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। उनकी उम्र बहुत हो गई है, लेकिन अब वह कई बार नए राजनीतिज्ञों की तरह राजनीति कर रहे हैं। एक उम्र और इतने बड़े पदों पर रहने

हरक सिंह रावत हमारे वरिष्ठ नेता हैं, ऐसे में उनसे तमाम मसलों पर बातचीत की गई। वहीं, उप नेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी ने कहा कि भाजपा केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से विपक्षी नेताओं पर दबाव बनाने का काम कर रही बार फिर अपनी पार्टी के बड़े नेता हरीश रावत को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि हरीश की राजनीति गंभीर नहीं है। उनके अनुसार हरीश रावत कई बार ऐसा काम कर देते हैं, जो कभी नए नवेले नेता भी नहीं करते। के बाद उनकी बातों में गंभीरता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह अब खुद भी पहले जैसे अक्रामक नहीं रहे। उन्होंने कहा कि अब टोटकों की राजनीति नहीं चलती है, लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के तहत किया गया पौधारोपण.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। हेमवती नंदन बहुगुणा पी0जी0कालेज लालगंज में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत कालेज परिसर में अध्यक्ष डॉ0 वीरेन्द्र कुमार मिश्र ने पौधारोपण किया। इस समय शासन के निर्देशानुसार वृक्षारोपण पखवाड़ा चल रहा है महाविद्यालय के प्रबंधक ने पौधारोपण करते हुए कहा कि पर्यावरण को यदि बचाना है तो पौधे लगाना जरूरी है।पौधारोपण कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्रों द्वारा क्यारियों एवं गमलों की निराई गुड़ाई भी की गई। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0फणीन्द्र नारायण मिश्र ने भी अपने छात्रों के साथ पौध रोपण करते हुए पौधों के महत्व को विस्तार से बताया और इसके प्रति उनसे जन-जन में जागरूकता लाने का आह्वान किया।इस अवसर पर डॉ0 संतोष मिश्र, शिवाकांत मिश्र, अरविंद मौर्य, संतोष दुबे, गोविंद, छोटे दुबे, राम कृष्ण तिवारी, सहित छात्र-छात्राओं ने सहयोग किया।

चोरी का अंजाम देने से पूर्व ही मौत को गले लगाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
राकेश मिश्रा

बारा (प्रयागराज)। थाना बारा के अंतर्गत शुक्रवार देर रात चोरों का एक गिरोह उमापुर गांव अजय पुत्र रामलखन के यहां चोरी का अंजाम देने पहुंचे किंतु अचानक अजय की नीद खुल गई। विरोध करने पर चोरों ने अजय पर चाकू आत्मघाती हमला कर भाग निकले किंतु। गांव वालो ने पीछा कर पकड़ लिया और मारना पीटना शुरू कर दिए पीट पीट कर जान से मार दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बारा थाना इपेक्टर कमलेश कुमार दल बल के साथ पहुंचे शव को कब्जे में लेने के बाद पोस्टमार्टम के लिए रवाना करते हुए एक व्यक्ति घायल जो कि अजय कुमार पुत्र लखन निवासी उमापुर का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है कहां का व्यक्ति है कौन है और पुलिस विभाग अज्ञात मुकदमा पंजीकृत की है देखिए गंभीरता से पुलिस विभाग जांच करेगी तो पूर्णरूपेण पर्दाफाश हो सकता है

ध्यान योग जन जागृति सेवा संस्थान द्वारा आयोजित, परम उत्सव गुरु पूर्णिमा महोत्सव सत्संग साधना शिविर

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । श्री कटरा रामलीला कमेटी प्रयाग, इंडियन प्रेस चौराहा, कर्नलगंजमें आयोजित होने जा रहा है जिसके उपलक्ष्य में आज दिनांक 11 जुलाई को पत्रकार वार्ता रखी गई जिसमें पूज्य श्री गुरुदेव श्री स्वामी कमलेश्वरानंद जी ने सभी पत्रकार बंधुओं का आभार व्यक्त किया एवं बताया कि, हम प्रत्येक मनुष्य का धर्म है कि इस सांसारिक जीवन की तुष्टि और पुष्टि के साथ-साथ आध्यात्मिक जीवन की संपूर्णता भी प्राप्त करें मानव जीवन के दो पहलू हैं संसार और सार हम सार तत्व को भूलकर संसार में सब कुछ प्राप्त करते हुए भी संतोष और आनंद नहीं प्राप्त कर सकते, इस कारण हम असंतुष्ट होते हैं। जीवन में कोई भी बाधा परेशानी ना आए संसार सुनियोजित रूप से चले इसके लिए हमें सद्गुरु शरण में जाकर उच्च कोटि की दीक्षा प्राप्त करनी चाहिए ,मानव जीवन में सुख और दुख दोनों जीवन अभिनन्अंगहैं यदि मनुष्य चाहे तो वह सुख दुख से ऊपर उठकर आनंद का जीवन जी सकता है मनुष्य जीवन को ओजस्विता एवं तेजस्विता की ओर अग्रसर कर सकता है इसके लिए सदुरु सानिध्यता की अत्यंत आवश्यकता है गुरु से उच्चकोटि का ज्ञान प्राप्त कर सांसारिक जीवन को सुखमय ही नहीं आनंदमय भी आप बना सके इसी हेतु इस गुरुपूर्णिमा पर गुरु जी द्वारा परमार्थ ब्रह्म दीक्षा प्राप्त कर जीवन में संपूर्णता प्राप्त करने की कामना करने हेतु आप इस सत्संग साधना शिविर में अवश्य पधारें इसी क्रम में गुरुमां नम्रता कमलिनी जी ने भी प्रयागराज के सभी सुधिजन को आमंत्रित किया 2 दिनों की सत्संग साधना शिविर हेतु, निवेदन किया कि वे समय पर उपस्थित होकर आध्यात्मिक चेतना से लाभान्वित हो सके कार्यक्रम के प्रमुख संयोजक श्री लालू मित्तल जी ने गुरु जी एवं नम्रता दीदी का परिचय देने के साथ ही साथ प्रयागराज के सभी माननीय सदस्यों को यह भी बताया कि किस प्रकार से गुरु से जुड़ने के बाद उनका व्यक्तिगत जीवन भी लाभान्वित हुआ प्रभावित हुआ एवं अपने कार्य क्षेत्र में उन्हें कितनी ओजस्विता प्राप्त हो चुकी है, लालू जी ने कहा कि हमें सांसारिक जीवन जीते हुए भी आध्यात्मिक क्षेत्र में भी कुछ उननति अवश्य प्राप्त करनी चाहिए यदि हम अपने जीवन को सुखी बनाना चाहते हैं अपने जीवन में संतुष्ट होना चाहते हैं अपने जीवन में कुछ कर गुजरने की क्षमता रखते हैं एवं उसके लिए मार्गदर्शन चाहते हैं तो हमें गुरुजी के पास अवश्य आना चाहिए शिविर और सत्संग में अवश्य समय देना चाहिए जिससे हम अपने जीवन को और भी अच्छा बना सकें श्री लालू मित्तल जी ने यह भी बताया कि किस तरीके से हम अपने सांसारिक कार्यों को निभाते हुए उस ब्रह्म की उपासना सद्गुरु के माध्यम से कर सकते हैं एवं आत्मिक संतुष्टि अपने जीवन में प्राप्त कर सकते हैं इसके लिए उन्होंने सभी नगर वासियों को 12 एवं 13 जुलाई कार्यक्रम स्थल पर आने का निवेदन किया है, कार्यक्रम का समय सायं 4 से 8 बजे तक है, कार्यक्रम में प्रस्तुत ध्यान योग सिद्धाश्रम काशी के प्रमुख माननीय अभिभावक श्री सतीश चंद्र मिश्रा जी भी सपरिवार उपस्थित रहे,विभिनन राज्यों से आए हुए साधक शिष्य भी उपस्थित हुए हैं, मीडिया संचालन अमृता अमृतम जी द्वारा किया गया तथा सहयोगी संस्थान सदस्य पंडित अमित तिवारी जी, प्रदीप सिंह जी नरेंद्र शुक्ला अभिषेक सिंह बघेल मोहित सिंह आदि उपस्थित रहे ।

जिला वृक्षारोपण समिति ने की बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कल सायंकाल कैम्प कार्यालय के सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक सम्पनन हुई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत जनपद में जो भी पौधे रोपित किये गये है उनका अधिक से अधिक जियो टैग किया जाय तथा पौधों की सुरक्षा हेतु ट्रीगार्ड लगाया जाय तथा उनकी सुरक्षा एवं देखभाल समय-समय पर की जाये ताकि वृक्षों की जीवन्तता सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि कैच द रैन अभियान के तहत जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिये शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन मानस को जागरूक किया जाये। उन्होने कहा कि नदियों को स्वच्छ रखना ही हमारी प्राथमिकता है जो भी नाले नदी में गिर रहे है उनको रोका जाये ताकि नदियों का पानी दूषित होने से बचें। उन्होने कहा कि नदी के किनारे साफ-सफाई रखी जाये तथा नदी के किनारे जितने भी गांव है उनका कूड़ा कचरा नदी में न फेका जाये। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला गंगा समिति के सम्बन्ध में सभी विभाग अपने अपने एक्सन प्लान तैयार करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, जिला विकास अधिकारी ओम प्रकाश मिश्र, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वरूण सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, पर्यावरण सेना के अजय क्रान्तिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारी व समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

दिव्यांगजन यूडीआईडी कार्ड प्रमाण निर्गत करायें

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 गिरेन्द्र मोहन शुक्ल ने जनपद के समस्त दिव्यांगजनों को सूचित किया कि यू0डी0आई0डी0 पोर्टल पर जिनका आवेदन करने के पश्चात् से अब तक यूडीआईडी प्रमाण पत्र निर्गत किया जाना अवशेष है वे दिव्यांगजन क्रमशः प्रमाण पत्र निर्गत किये जाने के वर्ष सन् 1980 से 1955 तक दिनांक 13 जुलाई को (बुधवार), सन् 1996 से 2005 तक दिनांक 14 जुलाई (वृहस्पतिवार) को, सन् 2006 से 2015 तक दिनांक 15 जुलाई (शुक्रवार) को एवं सन् 2016 से 2022 तक दिनांक 16 जुलाई (शनिवार) को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में उपस्थित हों जिससे उनकी दिव्यांगता का आकलन करते हुये गुण-दोष के आधार पर यूडीआईडी कार्ड निर्गत/निरस्त किया जा सके। उन्होंने कहा है कि यह अन्तिम अवसर है जिसके पश्चात् निरस्त प्रमाण पत्रों पर फिर से विचार नहीं किया जायेगा।

अधिकारी वृहद कैम्प लगाकर वृद्धावस्था पेंशन के लाभार्थियों का आधार प्रमाणीकरण करायें- जिलाधिकारी.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया कि राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना शासन की शीर्ष प्राथमिकता वाली योजनाओं में शामिल है। योजनान्तर्गत पेंशन प्राप्त कर रहे पेंशनरों द्वारा वेबसाइट पर लॉगिन करते हुये जन सुविधा केन्द्रों, साइबर कैफे, निजी इण्टरनेट केन्द्र अथवा विभागीय वेबसाइट पर स्वयं कम्प्यूटर या मोबाइल के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण किया जा सकता हैं। राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशनरों को आधार सीडिंग/आधार ऑथोन्टीकेशन अनिवार्य कर दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में आधार बेस भुगतान किया जाना है। वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त कर रहे लाभार्थी स्वयं अपना आधार प्रमाणीकरण यथाशीघ्र करायें, किसी भी प्रकार की समस्या आने पर तत्काल कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रतापगढ़ विकास भवन में सम्पर्क करें, आधार प्रमाणीकरण नहीं होने की स्थिति में योजना का लाभ दिया जाना सम्भव नही होगा। उन्होने बताया है कि जनपद में कुल वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त कर रहे 123015 में कुल 58582 पेंशनरों द्वारा अब तक आधार प्रमाणीकरण कराया गया है तथा 64433 पेंशनरों द्वारा आधार प्रमाणीकरण नही कराया गया है, जो भी अभी छूटे हुये। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने वृद्धावस्था पेंशन योजना के लाभाथिर्यों के शत् प्रतिशत आधार प्रमाणीकरण हेतु नगरीय क्षेत्र में सम्बन्धित उपजिलाधिकारियों एवं अधिशासी अधिकारियों तथा ग्रामीण क्षेत्र में विकास खण्ड स्तर से खण्ड विकास अधिकारियों एवं न्याय ।

यूफोरिएल यूथ सोसाइटी ने कैंसर मरीज़ों को नि:शुल्क प्रोटीन पाउडर वितरण किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। यूफोरिएल यूथ सोसाइटी के तत्वाधान में प्रयागराज के पी.एम.एस.एस.वाई. बिल्डिंग एसआरएन अस्पताल कैंसर वॉर्ड में कैंसर मरीजों को निःशुल्क प्रोटीन पाउडर वितरण किया गया।यूफोरियल यूथ सोसाइटी ने मरीज़ों का हाल जाना तथा उन्हें जो परेशानियाँ आती है उस विषय में बात किया तथा टीम ने उन मरीज़ों को हिम्मत दिया।टीम के अध्यक्ष देवेश ने कहा कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसमें मरीज़ तथा उनके परिवार वाले टूट जाते हैं मरीज़ के इलाज के साथ साथ उन्हें हिम्मत की आवश्यकता होती है जो उन्हें मिल नहीं पाती है इसलिए टीम ने उन मरीजों को प्रोटीन पाउडर बाँटने के साथ साथ हौसला भी बढ़ाया और इलाज में अगर कोई समस्या आएगी तो समाधान करने की पूरी कोशिश करेंगे इस मुहिम को आगे भी जारी रखने का आश्वासन दिया और भी अस्पतालों में वितरित किया जायगा,टीम के मेडिकल ऑफिसर मनोज त्रिपाठी ने बताया कि हम सब मिल कर सफ़लतापूर्वक मरीजों को प्रोटीन पाउडर बाँटने के साथ प्रोत्साहित भी किया, मनोज ने उन सभी लोगों को धन्यवाद किया जो इस मुहिम में शामिल हुए जिन्होंने प्रोटीन पाउडर खरीदने में संहयोग किया।प्रोटीन पाउडर वितरण में देवेश जयसवाल,गुफरान खान, मनोज त्रिपाठी,अनीश पांडेय,गगन सिंह,कोमल श्रीवास्तव,आकांक्षा अग्रवाल,विष्णु शर्मा,आशीष कुमार, मिताली सिन्हा आदि लोग शामिल थे।

नीबी में पेयजल को लेकर किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। विकासखंड करछना के नीबी में पेयजल को लेकर सार्वजनिक स्थलों पर लोगों को जल को शुध्द एवं सुरक्षित रखने को लेकर राज्य पेयजल एवं स्वछता मिशन से आयें हुयें राघवेन्द्र प्रताप सिंह,अंकित कुमार पाण्डेय,अरविंद यादव,अतुल पाण्डेय, हिमांशु गिरी ट्रेनरो द्वारा जल को चेक करने के साथ जागरूक करते हुयें इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित पेयजल की सतत पहुंच प्रदान करने हेतु समुदाय को शामिल किया गया।इस पेयजल में सैकड़ों लोग उपस्थित होकर जल के जानकारी को प्राप्त करने के साथ जल को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। स्वजल कार्यक्रम समुदायों को एकल ग्राम पेयजल आपूर्ति योजनाओं की योजना बनाने, परिकल्पना, कार्यान्वयन और निगरानी करने और इसके संचालन और रख-रखाव के लिए सामुदायिक स्वामित्व को संगठित करने के लिए सशक्त करता है। नीबी प्रधान प्रवीण एवं पंचायत सहायक सत्य प्रकाश एवं अन्य समूह सखी कर्मचारी भी उपस्थित रहीं। आयें हुये ट्रेनर ने सभी ग्रामीण लोगों को नीति और कार्यक्रमों के अन्तर्गत पेयजल विकास के मुद्दों पर एक बार फिर से गम्भीर रूप से ध्यान केन्द्रित किया।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रर्मो की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्र:** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रिया:** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यमी सीटें पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयु:** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करे:** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सक्ता है।
   नोट: आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पास:** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्ति:** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथि: 15 जुलाई 2022
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्र:– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

सर्विस लेन बनाने को पूर्व जिलाध्यक्ष ने एसडीएम को सौंपा पत्रक.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
शुभम मोदनवाल

सैदपुर। सैदपुर से होकर गुजरे नेशनल हाईवे पर सादात रोड पर सर्विस लेन नहीं बनाये जाने पर

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र राय एसडीएम से मिले और पत्रक सौंपा। बताया कि एनएच का दर्जा मिलने के बावजूद मार्ग पर सर्विस लेन न होने से आमजन को माफी समस्या होती है। बताया कि अगर यहां सर्विस लेन होती तो लोगों को घूमकर 2 किमी दूर नहीं जाना पड़ता। उन्होंने पत्रक देकर मांग किया कि उस पर सर्विस लेन बनाई जाए। बताया कि उसी सड़क पर राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र से लगायत परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद का भी घर है। कहा कि वहां पर सर्विस लेन बेहद आवश्यक है तो कार्यदायी संस्था ने नहीं बनवाया, लेकिन भितरी मार्ग पर आवागमन बेहद कम होता है लेकिन वहां पर अनावश्यक सर्विस लेन बनाया गया है। इस मौके पर फैयाज अहमद, मार्कंडेय चौहान, धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, रमेश सिंह एडवोकेट, दीपक सिंह, राधेश्याम मोदनवाल, डालू सिंह, आनंद जायसवाल, रामनवमी यादव, रमेश राजभर, बृजेश जायसवाल आदि रहे।

गाजीपुर के खिलाड़ियों ने दिलाया पूर्वांचल विश्वविद्यालय को 3 स्वर्ण सहित कई पदक

(आधुनिक समाचार सेवा)
शुभम मोदनवाल

सैदपुर(गाजीपुर)। करमपुर स्थित मेघबरन सिंह पी.जी. कॉलेज के छात्रों ने 3 से 8 जुलाई तक रोहतक(हरियाणा) के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित अन्तर्विश्वविद्यालय क्वान की डो प्रतियोगिता में 2 स्वर्ण सहीत कुल 4 पदक जीते हैं । महाविद्यालय के ऋषी राय ने 73 किग्रा में और दिलीप कुमार गुप्ता ने ओभर 88किग्रा में स्वर्ण पदक जीता तो वहीं बिपूज कुशवाहा ने इंडिविजुवल इवेंट के 61किग्रा में कश्य तो क्वांश इवेंट के पुरूस वर्ग में रजत पदक जीता है । इसके अतिरिक्त राजकिशोर सिंह पी.जी. कॉलेज जमानिया के ओमप्रकाश गुप्ता ने 83किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता तो जमानिया के ही बुद्धम सरणंम महाविद्यालय के अभिषेक कुमार सिंह ने 53किग्रा भार वर्ग में रजत पदक जीता है । दौलतपुर स्थित गुरु फूलचंद महाविद्यालय के शिवम पाण्डेय ने 88किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है , होलीपुर स्थित मूलचंद महाविद्यालय के शिवम जायसवाल ने 78किग्रा में रजत पदक जीता, पी.जी. कॉलेज गाजीपुर के अब्दुल मलिक खांन ने क्वांश इवेंट के पुरूष वर्ग में रजत पदक जीता है । विश्वविद्यालय के कोच व उत्तर प्रदेश क्वान की डो एसोसिएशन के महासचिव अमित कुमार सिंह ने बताया कि मेघबरन सिंह पी.जी कॉलेज के खिलाड़ियों के अतिरिक्त जिले के अन्य महाविद्यालयों के खिलाड़ियों के अथक प्रयाश व टीम भावना के

वजह से वीरबहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय जौनपुर उक्त टूर्नामेंट में रनरअप ट्रॉफी जितने में सफल रही । श्री सिंह ने बताया कि 35 विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान मेजबान एम.डी.यू.रोहतक तो द्वितीय स्थान पर अपनी पूर्वान्चल विश्वविद्यालय की टीम रही । इस सानदार उपलब्धि से गदगद मेघबरन सिंह पी.जी. कॉलेज करमपुर के प्राचार्य नागेंद्र कुमार पाठक ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक जीत है , मार्शल आर्ट्स के अन्य खेलों के अपेक्षा क्वान की डो खेल में विश्विद्यालय को पहली बार इतनी भारी मात्रा में पदक प्राप्त हुवा है , जिसमे करमपुर के खिलाड़ियों का अहम योगदान रहा , जल्द ही कॉलेज परिसर में सभी पदक विजेता खिलाड़ियों का भव्य स्वगत किया जाएगा ।

ज्ञानवापी प्रकरण में आया नया मोड़, हिंदू पक्ष ने बनाया नया ट्रस्ट

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद और श्रृंगार गौरी मंदिर केस में आज सुनवाई होनी है। इससे पहले हिंदू पक्ष ने इस मामले पर एक ट्रस्ट बनाने का एलान किया है। वाराणसी के ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी प्रकरण में मंगलवार को जिला जज की अदालत में सुनवाई होनी है। मगर उससे पहले इस मामले में नया मोड़ आ गया है। प्रकरण में हिंदू पक्ष की ओर से वाराणसी निवासी चार महिला वादियों ने ट्रस्ट बनाया है। इस ट्रस्ट पर कोर्ट में जारी मामले को देखने की जिम्मेदारी होगी। इससे पहले सोमवार को हिंदू पक्ष ने ट्रस्ट बनाए जाने का एलान किया। ट्रस्ट का नाम श्री आदि महादेव काशी धर्मालय मुक्ति न्यास रखा गया है। ट्रस्ट कोर्ट के मामलों को देखेगा। मुकदमे में होने वाला खर्च भी वहन करेगा। अदालत में हिंदू पक्ष के पैरोकार सोहन लाल आर्य ने बताया कि ट्रस्ट से जुड़े लोगों की मलदहिया स्थित विवेकानंद कॉलोनी में बैठक हुई। बैठक में ही ट्रस्ट के बारे में एलान किया गया और आगे की रणनीति तय की गई। इस बैठक में पांच अतिथि, 11 ट्रस्टी, 21 सम्मानित ट्रस्टी, श्रृंगार गौरी मामले की चार वादी महिलाएं शामिल रहीं। ट्रस्ट का नियमतः रजिस्ट्रेशन कराया गया है। ट्रस्ट के लिए विष्णु शंकर जैन ने 51 हजार रुपये और एक अन्य ने 21 हजार रुपये का चेक देकर शुरुआत की है। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में हिंदू पक्ष की ओर से श्रृंगार गौरी के पूजन के लिए अभियान शुरू किया गया है। ही मामले के प्रबंधन के लिए ही ट्रस्ट बनाया गया है। ट्रस्ट मामले की समय-समय पर समीक्षा कर आगे की रणनीति भी तय करेगा। बैठक में वादी महिलाओं लक्ष्मी देवी, सीता साहू, मंजू व्यास, रेखा पाठक

मस्जिद परिसर के वजूखाने में मिले शिवलिंग के पूजन-अर्चन और मुस्लिम पक्ष से मुक्त कराने के लिए लगातार पैरवी की जा रही है। इस पर खर्च के साथ के अलावा हरिशंकर जैन के पुत्र विष्णु शंकर जैन, लालबाबू जायसवाल, रंजना अग्निहोत्री, कुलदीप तिवारी आदि मौजूद रहे।

पीसीएफ का कमीशन न मिलने से सहकारी समिति के कर्मचारीयों ने प्रबंधक कौ सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)। साधन सहकारी समितियों को धान व गेंहू खरीद का कमीशन न मिलने से सहकारी कर्मियों को वेतन के लाले पड़ गए हैं। साधन सहकारी समिति सचिव परिषद के अध्यक्ष ऋषि सिंह ने जिला प्रबंधक पीसीएफ को इस आशय का ज्ञापन सौंपा। ऋषि सिंह ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह मे हमारी माँगे पूरी करवके कमीशन का भुगतान सुनिश्चित नही किया गया तो एक सप्ताह के भीतर भारी जनाँदोलन करके पीसीएफ कार्यालय पर ताला बंद करने हेतु बाध्य होना पड़ेगा। अखिलेश यादव , अरविंद दूबे व धनीशंकर मिश्र इत्यादि लोग मौजूद रहे।

नेत्र परीक्षण शिविर में 525 ट्रक चालकों को मिला निःशुल्क चश्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

वाराणसी। अर्पण संस्थान की तरफ से ट्रक ड्राइवरों का नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया । सप्ताह भर चलाए गए शिविर में करीब एक हजार चालकों का नेत्र परीक्षण किया गया जिसमें 525 जरूरतमंदों को जांच के बाद निश्शुल्क चश्मा दिया गया।इस दौरान मोहनसराय , अमरा अखरी और डाफी टोल प्लाजा के पास शिविर लगाया गया।शिविर के अंतिम दिन 112 लोगों की जांच और 75 चालकों को चश्मा वितरित किया गया। वितरित किया गया। शिविर के समापन के अवसर पर संस्था की सचिव अर्पणा जायसवाल ने नेत्र परीक्षण शिविर में सहयोग करने वाले प्रकाश नायक (जीएम टोल प्लाजा रोड सेफ्टी) और कर्मचारियों का सम्मान किया।

मुठभेड़ में लूट के आरोपी को लगी गोली, अस्पताल में भर्ती भदोही

वाराणसी। पुलिस को सूचना मिली कि आभूषण लूट के कुछ आरोपी भदोही के धौरहरा इलाके से गुजरने वाले हैं। पुलिस ने तड़के नाकाबंदी कर दी। करीब साढ़े चार बजे तीन बदमाश आते दिखे। रुकने का इशारा करने पर आरोपियों ने गोली चला दी। इसके बाद जवाबी गोलीबारी में एक बदमाश घायल हो गया। कोतवाली क्षेत्र के धौरहरा के पास मंगलवार तड़के करीब साढ़े चार बजे पुलिस और कुछ बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस की गोली से एक बदमाश घायल हो गया और दो भागने में सफल रहे। घायल बदमाश को महाराजा बलवंत सिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके पैर में गोली लगी है।पुलिस को सूचना मिली कि आभूषण लूट के कुछ आरोपी भदोही

के धौरहरा इलाके से गुजरने वाले हैं। उसी आधार पर पुलिस ने तड़के नाकाबंदी कर दी। करीब साढ़े चार बजे अलग-अलग बाइक से तीन बदमाश आते दिखे। शक के आधार पर जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो बदमाशो ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने बताया कि जवाबी फायरिंग में एक बदमाश मोहम्मद इकराम निवासी बड़ागांव जिला वाराणसी को पैर में गोली लगी और वह गिर पड़ा। बाकी बदमाश फरार हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती ने बताया कि इकराम के खिलाफ आजमगढ़, वाराणसी, भदोही सहित कुल छह जनपदों में लूट सहित 24 मुकदमे दर्ज हैं। उसका आपराधिक रिकार्ड अभी और खंगाला जा रहा है। घायल को एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पांच महीने से वेतन न मिलने पर मालियों का धरना जारी

वाराणसी। भगत सिंह छात्र मोर्चा ने दिया समर्थनबीएचयू में उद्यान विभाग में कार्यरत दैनिक वेतन भोगी मालियों ने बताया कि पिछले पांच महीने से वेतन नहीं मिला है। अब उनके सामने परिवार के भरण पोषण का संकट हो गया है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में उद्यान विभाग में कार्यरत दैनिक वेतन भोगी माली पांच महीने से वेतन न मिलने से परेशान हैं। शनिवार को धरना देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई तो सोमवार को फिर मालियों ने धरना दिया। उनके धरने का भगत सिंह छात्र मोर्चा ने समर्थन करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन से जल्द जल्द कार्रवाई की मांग की है। कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक

कार्यालय के समक्ष धरने पर बैठे मालियों ने बताया कि पिछले पांच महीने से वेतन न मिलने से उनके सामने परिवार के भरण पोषण का संकट हो गया है। अब तक कई बार कहने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने उद्यान विभाग के प्रभारी पर भी अनदेखी और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है।धरने की सूचना पर चीफ प्रॉक्टर भी प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों के साथ पहुंचे और कर्मचारियों को मनाने का प्रयास किया लेकिन वह लिखित कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। उधर भगत सिंह छात्र मोर्चा ने समर्थन करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कर्मचारियों को कॉन्ट्रैक्ट पर रखना, इनको पूरा वेतन और सुविधाएं न देना सरकार द्वारा निजीकरण और ठेके प्रथा को बढ़ावा देने की नीति का हिस्सा है। अगर जल्द ही इनकी मांगें नहीं मानी गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

शराब की दुकान को हटाने की मांग को लेकर आक्रोशित महिलाओं ने किया विरोध प्रदर्शन व चक्का जाम

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

वाराणसी (रोहनिया)। राजातालाब थाना क्षेत्र के कचहरिया गांव में खुले शराब की दुकान को बंद कराने की मांग को लेकर शुक्रवार को सुबह 9:30 पर लक्ष्य फाउंडेशन के उपाध्यक्ष डॉ रंजना शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं ने जितापुर से जख्खिनी जाने वाली रोड पर चक्का जाम चला।लक्ष्य फाउंडेशन के उपाध्यक्ष डॉ रंजना शर्मा ने बताया कि इस शराब की दुकान का लाइसेंस महगांव में हुआ है जिसका गुरुवार को महगांव की आक्रोशित महिलाओं ने विरोध किया तो शुक्रवार को कचहरीया गांव में शराब की दुकान खोल दिए।जिसे देखकर कचहरिया गांव की महिलाएं आगबबूला होकर आक्रोशित महिलाओं ने शराब की दुकान को तुरंत हटाने की मांग को लेकर जितापुर से जख्खिनी जाने वाले मार्ग पर चक्का जाम कर दिया।सूचना पाकर मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी सदर अखिलेश राय ने शराब की दुकान को तुरंत बंद करने तथा दुकान से शराब खाली करने का निर्देश दिया। और दुकानदार श्रीप्रकाश जायसवाल से शराब की दुकान की चौहद्दी दिखाने को कहा।इस दौरान मुख्य रूप से डॉ रंजना शर्मा,लक्ष्मी देवी, अनीता, निर्मला देवी, सुनीता देवी, चंपा देवी, फरजाना, रीता देवी, सरिता देवी ,विमला देवी, मंजू देवी, अमरावती देवी, इंद्रावती देवी, निर्मला देवी,सावित्री देवी ,शांति देवी, मंजू देवी, उर्मिला ,सविता ,कलावती, मीरा, सितारा इत्यादि ग्रामीण महिलाएं शामिल रही।

जाम व विरोध प्रदर्शन किया। चक्का जाम के वजह से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आवागमन हेतु काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।जिसकी सूचना पाकर मौके पर पहुंचे राजातालाब थाना प्रभारी राम आशीष राम ने आक्रोशित महिलाओं को समझा-बुझाकर शराब की दुकान हटवाने का आश्वासन देकर चक्का जाम समाप्त कराया। आक्रोशित महिलाओं द्वारा सुबह 9:30 बजे से लेकर 11 बजे तक लगभग डेढ़ घंटा तक चक्का

पुलिसकर्मियों ने सिपाही की बीवी के साथ की छेड़छाड़, मामले में तीन कर्मी निलंबित

आजमगढ़। में पुलिस लाइन में सिपाही की ही पत्नी के साथ पुलिसकर्मियों ने छेड़छाड़ की।विरोध करने पर आरोपी पुलिसकर्मियों ने मारपीट की।

एसपी ने मामले की जांच कराते हुए आरोप की पुष्टि होने पर तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। आजमगढ़ में पुलिस लाइन परिसर में रविवार रात अपने आवास के बाहर टहल रही पुलिस कर्मी की पत्नी के साथ एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के गनर व उसके दो सहयोगियों ने छोड़खानी की। विरोध करने पर मामला मारपीट तक पहुंच गया। शिकायत एसपी तक पहुंची तो उन्होंने पूरे प्रकरण की जांच कराई। जिसमें आरोप की पुष्टि होने पर शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराने के साथ ही तीनों पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया। दो पुलिस कर्मी हिरासत में भी ले लिए गए हैं। यूपी डायल 112 में तैनात एक पुलिस कर्मी परिवार के साथ पुलिस लाइन में मिले सरकारी आवास में रहता है। रविवार को वह ड्यूटी पर था। देर शाम उसकी पत्नी अपने आवास के बाहर टहल रही थी। इसी दौरान एक वरिष्ठ अधिकारी का नशे में धुत गनर वहां पहुंचा और महिला के साथ छेड़खानी करने लगा। सिपाही की पत्नी ने गनर की हरकत का विरोध किया और इसकी सूचना अपने पति के एक सहयोगी को दी। जिस पर पति का साथी सिपाही भी वहां पहुंच गया। इसके बाद आरोपी गनर विजेंद्र सिंह ने अपने सहयोगियों दिवाकर सिंह व मनीष मिश्रा के साथ उस पर हमला कर दिया। इसके बाद रात में ही घटना की सूचना पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य को दी गई। जिस पर एसपी ने रात में ही प्रकरण की जांच के आदेश दिए। जांच रिपोर्ट में आरोप की पुष्टि होने पर एसपी ने तीनों आरोपित आरक्षियों के खिलाफ शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। इसके साथ ही तीनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित भी कर दिया। सूत्रों के अनुसार दो आरोपी पुलिस कर्मियों विजेंद्र सिंह व दिवाकर सिंह को हिरासत में भी ले लिया गया है।महिलाओं संग अपराध पर लगाम को लेकर भले ही बड़े-बड़े दावे किए जाते हो लेकिन वास्तव में तस्वीर इसके विपरीत है। जब पुलिस लाइन जैसे अति सुरक्षित स्थान पर भी महिलाओं की अस्मिता सुरक्षित नहीं है तो अन्य स्थानों पर क्या हाल होगा। पुलिस लाइन में पुलिस कर्मियों द्वारा ही पुलिस कर्मी की पत्नी के साथ छेड़खानी की घटना ने जनपद पुलिस की साख पर प्रशन चिन्ह लगा दिया है।

वाराणसी के नमो घाट से गंगा पार कराएगा डबल डेकर सिग्नेचर ब्रिज

वाराणसी। काशी स्टेशन के पास से बनेगा रास्ताट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित हो रहे वाराणसी से पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर जंक्शन को जोड़ने के लिए नमो घाट के पास डबल डेकर सिगनेचर ब्रिज बनाया जाएगा। दुनियाभर से आने वाले सैलानियों की बनारस से पीडीडीयू नगर की यात्रा को सुगम करने के लिए नमो घाट के पास डबल डेकर सिगनेचर ब्रिज बनाया जाएगा। राजघाट से पड़ाव को जोड़ने वाले मालवीय पुल के समानांतर यह पुल गंगा के 30 मीटर डाउन स्ट्रीम से शुरू होकर पड़ाव तक पहुंचेगा। वाराणसी के पहले सिगनेचर ब्रिज की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर मंजूरी के लिए शासन को भेजी गई है। इसके साथ ही डाट पुल को चौड़ा कर बनारस की ओर से आने वाले रास्ते को रिंग सर्किल में इस पुल से जोड़ा जाएगा। नीचे वाले तल पर होगा रेलवे ट्रैक ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित हो रहे वाराणसी से पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर जंक्शन को जोड़ने के लिए काशी स्टेशन के पास से नया रास्ता बनाने की योजना है। आदिकेशव घाट और नमो घाट के बीच से दो मंजिला पुल बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें नीचे वाले तल को रेलवे रूट के लिए तैयार किया जाएगा। ऊपर सड़क

मार्ग से वाहन गुजरेंगे।इसके साथ ही वाराणसी से भदऊं चुंगी रोड को रिंग सर्किल में दो तरफ से इस पुल से जोड़ा जाएगा। सिगनेचर पुल और सर्किल रोड की इस परियोजना पर करीब 100 करोड़ रुपये की लागत का अनुमान है। देश के पहले इंटर मॉडल स्टेशन के रूप में प्रस्तावित काशी स्टेशन को विकसित करने की योजना है और इसकी कवायद सड़क परिवहन मंत्रालय की ओर से की जा रही है। इस परियोजना को धरातल पर उतारने से पहले सिगनेचर ब्रिज से बिहार व पीडीडीयू नगर सहित अन्य शहरों से कनेक्टविटी मजबूत हो जाएगी। मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल ने कहा कि गंगा के 30 मीटर डाउन स्ट्रीम से नए सिगनेचर ब्रिज के निर्माण का प्रस्ताव है। डबल डेकर सिगनेचर ब्रिज की डीपीआर तैयार है और शासन से अनुमति के बाद इस परियोजना पर काम शुरू किया जाएगा। इसके लिए सर्वे आदि की प्रक्रिया कराई जा रही है।सवा सौ साल से ज्यादा पुराने राजघाट से पड़ाव के बीच बने मालवीय पुल (डफरिन ब्रिज) के समानांतर बन रहे सिगनेचर ब्रिज के निर्माण के बाद भी राजघाट पुल पर वाहनों का आवागमन होता रहेगा। इसके साथ ही डाट पुल को चौड़ा करने की योजना है। ताकि वाराणसी से आने वाले रास्ते को सिक्सलेन तक विस्तार दिया जा सके।

उपजिलाधिकारी आशुतोष तिवारी ने बीडीओ हरहुआ के पद का कार्यभार संभाला.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)। उपजिलाधिकारी आशुतोष तिवारी ने आज बीडीओ हरहुआ का पदभार ग्रहण कर लिया है। ज्ञातव्य है कि आशुतोष तिवारी 2020 बैच के पीसीएस अधिकारी हैं। इस अवसर पर एडीओ सहकारिता अवधेश सिंह,एडीओ पंचायत महेंद्र प्रताप ,रवीन्द्र यादव आँकिक, योगेन्द्र तिवारी मुनन इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

शक्तिनगर से वाराणसी मार्ग पर ट्रेलर से टकराई बाइक, मौसेरे भाइयों की मौत

अनपरा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत बैरपान गांव के समीप सोमवार की देर रात किलर रोड़ के नाम से

मशहूर शक्तिनगर से वाराणसी मार्ग पर एक बार फिर सड़क दुर्घटना में दो जिंदगियां समाप्त हो गईं। दुर्घटना के बाद हाईवे पर घंटों जाम लगा रहा , पुलिस ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया ।सोनभद्र के अनपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बैरपान के समीप सोमवार की देर रात करीब साढ़े 10 बजे ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार मौसेरे भाइयों की मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने घंटों हाइवे को जाम कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा बूझा कर वापस किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।बेलवादह निवासी मुकेश यादव पुत्र राजकुमार (20) अपने मौसेसे भाई म्योरपुर के बरईडांड निवासी गोविंद यादव पुत्र दयाशंकर (19) के साथ रिश्तेदारी में गया था। सोमवार की देर रात दोनों बाइक से बेलवादह लौट रहे थे। वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर बैरपान के पास सड़क पर पानी होने के नाते उनकी बाइक फिसलकर सामने से आ रही ट्रेलर की चपेट में आ गई।हादसे में बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ लग गई। लोगों ने मौके पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों का कहना था कि ट्रक व ट्रेलर चालक मनमाने ढंग से रास्ते में वाहनों को खड़ा कर कोयले पर पानी का छिड़काव करते हैं, इसी से पानी अक्सर सड़क पर लग जाता और हादसे का कारण बनता है।मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा बूझा कर वापस भेजा और शव को अपने कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी निरीक्षक श्रीकांत राय ने बताया कि शवों की शिनाख्त करा कर युवकों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों की तहरीर के अनुसार मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई की जा रही है। वहीं ट्रेलर को भी कब्जे में ले लिया गया है।

नगर के बाहर से बाईपास बनाने के लिए भरी हूंकार

सोनभद्र। घोरावल से खलियारी तक प्रस्तावित स्टेट हाइवे के विरोध में रविवार को राबर्ट्सगंज के रेलवे फाटक के समीप व्यापारियों के साथ राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने प्रदर्शन किया। नगर के बाहर से बाईपास बनाने की मांग की। मांगें पूरी न होने पर वृहद आंदोलन करने की चेतावनी दी। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राज कुमार सोनी ने कहा कि नगर पालिका राबर्ट्सगंज क्षेत्र की घनी आबादी वाले मुख्य बाजार धर्मशाला- मेन चौक, रेलवे फाटक तक रोड के दोनों तरफ करीब 15 हजार लोग आवास और दुकान बनाकर निवास करते हैं। स्टेट हाइवे बनने से हजारों लोग बेघर और बेरोजगार हो जाएंगे। कहा कि नगर के बाहर से बाईपास बनने से नगरवासियों को कोई परेशानी नहीं होगी। ग्रामीण इलाकों का भी विकास होगा। मानवाधिकार नगर अध्यक्ष सरदार अर्जुन सिंह और व्यापारी उमाशंकर ने कहा कि पीडब्लूडी व्यापारियों को गुमराह कर रहा है। विभाग की ओर से एक तरफ सात मीटर मौखिक तो दूसरी तरह मध्य सड़क से 60-60 फीट पर स्टेट हाईवे बनाने की जानकारी दी गई है। प्रदर्शन में राजेंद्र मौर्या, उमाशंकर सोनी, अजय, दीपक, गोपाल, श्याम बिहारी आदि मौजूद रहे।

वन दारोगा से विवाद करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज कोतवाली में शनिवार की रात वन दरोगा की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, धमकी देने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपियों के ऊपर वन रेंज कार्यालय चुर्क परिसर में घुसकर दरोगा से विवाद करने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि वादी चुर्क वन रेंज में तैनात दरोगा राजेंद्र प्रसाद के मुताबिक शुक्रवार को वे हमराह विनीत कुमार सिंह वन रक्षक व कृपाशंकर वन दरोगा के साथ चुर्क बाजार के निकट वार्ड नंबर एक में सामूहिक गश्त कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने एक व्यक्ति को वन भूमि पर अवैध रूप से बाउंड्री का निर्माण करते देखा। उन्होंने कार्य रोकवाने का प्रयास किया तो मनबढ़ व्यक्ति हाथापाई पर आमादा हो गया। मामला गंभीर होता देख वह वहां से किसी तरह से खुद को बचाकर रेंज कैंपस पहुंचे। उसी दिन वन भूमि पर अवैध कब्जा करने वाला अपने कुछ साथियों के साथ वन रेंज कार्यालय परिसर में पहुंच कर सबके सामने अपशब्द बोले और जान से मारने की धमकी दी। घटना की जानकारी होने पर कोतवाल दिनेश प्रकाश पांडेय और चुर्क चौकी प्रभारी जितेंद्र कुमार ने मौके पर जाकर जांच पड़ताल की। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ भी की तो उन लोगों ने खुद के ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए साजिश के तहत फंसाने का आरोप लगाया। उधर वन दरोगा खुद के साथ घटित घटना का मुकदमा दर्ज कराने के लिए अड़े रहे। इंस्पेक्टर ने बताया कि वन दरोगा की तहरीर पर चुर्क निवासी संदीप, स्वदीप, रोहित और विनित के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, धमकी, एससी-एसटी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मौसम की बेरुखी और नहरें भी सूखी सिंचाई के साथ खाद का संकट

सोनभद्र। मौसम की बेरुखी किसानों की चिंता बढ़ा रही है। आषाढ़ बीतने को है, लेकिन पर्याप्त बारिश नहीं हुई है। नहरों में पानी का संकट है तो दूसरी ओर पर्याप्त

खाद भी नहीं मिल पा रही। निजी साधनों से फसल की सिंचाई करने वाले किसान खाद के लिए भटक रहे हैं। हालांकि कृषि विभाग करीब 15500 मीट्रिक टन यूरिया, डीएपी समेत अन्य खाद उपलब्ध होने का दावा कर रहा है, मगर हकीकत अलग है। कई साधन सहकारी समितियों के सचिवों के मनमानी का खामियाजा किसान भुगत रहे हैं। आसाढ़ माष समाप्त होने वाला है, फिर भी भगवान इंद्र मेहरबान नहीं हो रहे हैं। जरूरत के अनुसार बारिश न होने से जिले से गुजरने वाली सोन, रेणुका, बिजुल, बेलन, बकहर, कनहर समेत अन्य नदियों के जलस्तर में वृद्धि नहीं हो पाई है। धंधरौल, नगवां, समेत अन्य जलाशयों का भी जलस्तर खिसक रहा है। इस नाते घाघर मुख्य नहर, सोन लिफ्ट, शाहगंज राजवाहा समेत अन्य नहरों में पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। नहरों के चालू न होने एवं बारिश कम होने के चलते अधिकांश किसान धान की नर्सरी नहीं डाल सके हैं। वहीं बाजरा, मक्का, मकई, तिल आदि की खेतीबारी भी नाममात्र की हुई है। वहीं जिन किसानों ने निजी संसाधनों से धान की नर्सरी डालने के साथ ही अन्य फसलों की बोवाई किए है उन्हें भी जरूरत के अनुसार खाद नहीं मिल रही है। कई साधन सहकारी समितियों पर किसानों को उर्वरकों के लिए चक्कर लगाना पड़ रहा है। किसान सेवा सहकारी समिति पइका पर एक छटाक खाद नहीं है। किसान सेवा सहकारी समिति पापी भी जरूरत के अनुसार खाद नहीं है। इसी तरह से कई समितियों पर खाद की कमी मुंह बाएं खड़ी है। जबकि कृषि विभाग की मानें तो जिले में खरीफ 2022 में यूरिया, डीएपी, एमओपी, एनपीके और एसएसपी का लक्ष्य 59626 मीट्रिक टन है। लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 26831.97 एमटी उपलब्ध हुआ है, जिसमें से 10346.46 एमटी वितरण की जा चुकी हैं। अभी करीब साढ़े प्रदंह हजार मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है। समितियों पर उर्वरक उपलब्ध है, लेकिन कुछ सचिवों की मनमानी के चलते समस्याएं उत्पन्न हो रही है।

वीडियो कैमरे से कांवड़ यात्रा की होगी निगरानी

सोनभद्र। कांवड़ यात्रा के दौरान शिवद्वार-विजयगढ़ और शिवद्वार-कलवारी मार्ग के चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा रहेगी। इस मार्ग के संवेदनशील इलाकों में वीडियो कैमरों से निगरानी होगी। पुलिस और प्रशासन मिलकर चार स्थानों पर कंट्रोल रूम बनाएंगे। इन कंट्रोल रूम से न केवल निगरानी होगी, बल्कि किसी भी जरूरत पर तत्काल मदद उपलब्ध कराई जाएगी। शासन से पुलिस प्रशासन को कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के कड़े प्रबंध रखने का निर्देश दिया गया है, ताकि शिवभक्तों को कोई समस्या न हों। इसके लिए पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी है। एसपी डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर सभी सीओ और थाना प्रभारी उनके क्षेत्र में किन-किन स्थलों से शिवभक्त जल लेकर किन-किन शिवालयों में जलाभिषेक करेंगे आदि की रिपोर्ट तैयार करने में जुट गए हैं। इसके अलावा कांवड़ यात्रा

के मार्गों पर पड़ने वाले संवेदनशील इलाकों, उन मार्गों पर किन-किन जगहों पर मांस की बिक्री होती है आदि की भी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। कांवड़ यात्रा वाले मार्ग पर मांस की दुकानें बंद रहेंगी। रोक के बाद भी खोलने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी पुलिस के अनुसार सर्वाधिक कांवड़िया मिर्जापुर जिले से गंगाजल लेकर और विजयगढ़ दुर्ग स्थित राम सरोवर से जल लेकर शिवद्वार में विराजमान उमा-माहेश्वर पर जलाभिषेक करते हैं। श्रावण के अंतिम सोमवार को कांवड़ियों की संख्या सर्वाधिक रहती है। ना प्रभारियों द्वारा संवदेनशील इलाकों की वीडियो कैमरे से निगरानी होगी। पुलिस लाइन चुर्क में स्थापित होने वाले कंट्रोल रूम से शिवद्वार मंदिर परिसर समेत अन्य जगहों की मॉनिटरिंग की जाएगी। जरूरत के अनुसार फोर्स की ड्यूटी लगाई जाएगी। इसकी तैयारी तेजी से चल रही है।

ओडीओडी से जुड़ेंगे जिले के पिकनिक स्पॉट

सोनभद्र। हर जिले के एक उत्पाद की तरह ही अब एक पर्यटन स्थल को भी विशेष पहचान मिलेगी। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए वहां पर्यटकीय सुविधाओं का विकास किया जाएगा। जिले की पहचान के रूप में उसे व्यापक प्रचार-प्रसार भी मिलेगा। ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए वन डिस्ट्रिक्ट-वन डेस्टिनेशन (ओडीओडी) योजना के तहत जिले के कैमूर और रेणुकूट वन प्रभाग से ऐसे स्थलों का चयन किया गया है। इसका प्रस्ताव तैयार कर शासन को प्रेषित किया गया है। जल्द ही एक स्थल का चयन कर ओडीओडी के तहत उसके विकास को गति दी जाएगी। कोरोना काल के बाद से पर्यटन उद्योग को तगड़ा झटका लगा है। पर्यटकों की आवाजाही में कमी आई है। पर्यटन उद्योग को उबारने के साथ ही सरकार नई संभावनाओं पर जोर दे रही है। हर जिले में एक पर्यटन क्षेत्र विकसित करने की कवायद शुरू की गई है। इसके लिए एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) की तर्ज पर ही एक जिला-एक डेस्टिनेशन (ओडीओडी) की योजना शुरू की गई है। इसके तहत हर जिले से एक पर्यटन स्थल का चयन किया जाना है। इसमें ईको टूरिज्म पर विशेष जोर है। सोनभद्र में पर्यटन की असीम संभावनाओं को देखते हुए वन विभाग की ओर से प्रस्ताव तैयार करा शासन को भेजा गया है। रेणुकूट वन प्रभाग ने कनहर के किनारे पर स्थित जोरकहू पिकनिक स्पॉट, हाथीनाला स्थित बायो डायवर्सिटी पार्क और बेलवादह में झील को ओडीओडी में शामिल करने का प्रस्ताव दिया है। तीनों ही स्थलों को एक साथ जोड़कर टूर पैकेज के रूप में विस्तारित करने की भी योजना है। वहीं कैमूर वन्य जीव प्रभाव की ओर से महुवरिया की ब्लैक बक घाटी का प्रस्ताव है। सोन नदी के किनारे स्थित महुवरिया घाटी में काले हिरणों को कुलांचे भरते देखकर मन प्रफुल्लित हो जाता है। यहां सोन ईको वैली से ब्यूटी ऑफ सोन का नजारा भी अद्भुत है। माना जा रहा है कि ओडीओडी में शामिल होने के बाद इन स्थलों पर पर्यटकीय सुविधाओं का विस्तार होगा। आवागमन की सुविधा अच्छी होगी तो अन्य बुनियादी सुविधाएं भी बढ़ेंगी। इन स्थलों के व्यापक प्रचार-प्रसार को बढ़ावा मिलेगा, जिससे पर्यटकों का आकर्षण बढ़ेगा।

राजस्थान की तर्ज पर देना था पानी, सारी कोशिशें बेमानी

म्योरपुर। पानी के संकट से जूझते ग्रामीण इलाकों में राजस्थान की तर्ज पर शुद्ध पेयजल मुहैया कराने

की कोशिश फेल हो गई है। लाखों रुपये खर्च कर गांवों में बनाए गए टांकों में संग्रहित जल में कीड़े पड़ गए हैं। ग्रामीणों ने इस पानी का अब तक एक भी दिन उपयोग नहीं किया। टांकों के जरिए पानी मुहैया कराने के नाम पर अधिकारियों-कर्मचारियों के भ्रमण और प्रशिक्षण पर भी मोटी राशि खर्च की गई थी, लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता से सारी कोशिशों पर पानी फिर गया। पर्यावरण प्रदूषण और दूषित पेयजल की समस्या से जूझते सोनांचल के ग्रामीण इलाकों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता के लिए राजस्थान मॉडल को लागू करने की योजना बनाई गई थी। इसके तहत पानी के संकट से जूझने वाले गांवों में राजस्थान की तर्ज पर टांकों का निर्माण कराया गया। ढक्कनबंद टांकों में बरसात का पानी संग्रहित किया जाने लगा। माना जा रहा था कि इस तरह से एकत्रित पानी के कारण लोगों को शुद्ध पानी उपलब्ध होगा। आसपास का भूजल का स्तर भी नियंत्रित होगा। इस योजना को मूर्त रूप देने के लिए करीब दो वर्ष पहले तत्कालीन सीडीओ अजय कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में अधिकारियों-कर्मचारियों की टीम राजस्थान भी गई। वहां कई दिनों तक रूककर टीम ने टांकों के माध्यम से पानी की उपलब्धता का जायजा लिया। टांको में रखे पानी का टीडीएस भी मापा गया, जो काफी शुद्ध मिला। टीम ने लौटकर उसी मॉडल को जिले में लागू कराया। म्योरपुर ब्लाक के आरंगपानी, बेलहत्थी, कुलडोमरी, जरहा, सिंदूर, रनटोला, म्योरपुर आदि गांवों में कई टांके का निर्माण हुआ। एक टांके के निर्माण पर करीब दो लाख रुपये तक खर्च किए गए। भारी भरकम राशि खर्च करने के बाद भी योजना का कोई लाभ यहां के लोगों को नहीं मिला है। डीएमएफ के मद से लाखों रुपये खर्च कर गांवों में बने यह टांके बस शोपीस बनकर रह गए है। उनकी उपयोगिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। गंभीरपुर ग्राम पंचायत में हीरामती पतने सुरेश के घर पर टांका 1.88 लाख की लागत से बना है, लेकिन हीरामती के मुताबिक टांके के पानी में कीड़े पड़ गए हैं। इसकी वजह से वह पानी पीने योग्य नहीं है। उन्होंने बताया कि उन लोगों ने इसका पानी कभी नहीं पिया है। कई गांवों में यह टांके पूरे भी नहीं कराए गए।

अमन-चैन के लिए मांगी दुआ अल्लाह की राह में दी कुर्बानी

सोनभद्र। प्रेम-सौहार्द और कुर्बानी का प्रतीक बकरीद का त्योहार रविवार को जिले में पूरी अकीदत के साथ मनाया गया। मुस्लिम बंधुओं ने ईदगाह और मस्जिदों में परंपरागत नमाज पढ़ी। घर पहुंचकर अल्लाह की राह में कुर्बानी दी। दिन भर दावतों का सिलसिला जारी रहा। एक-दूसरे के घर पहुंच लोगों ने गले मिलकर मुबारकबाद दिया। बकरीद पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस-प्रशासन की टीमें चौकननी रहीं। एएसपी और एडीएम

खुद सुरक्षा की मॉनिटरिंग करते रहे। नगर स्थित ईदगाह में सुबह साढ़े सात बजे ही फोर्स पहुंच गई थी। पौने आठ बजे तक ईदगाह खचाखच भर गया था। सुबह आठ बजे मौलाना खुर्शीद आलम ने नमाज अदा कराई। मुल्क में अमन-चैन और खुशहाली के लिए दुआ मांगी गई। नमाज के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाया और मुबारकबाद दी। दावत का भी न्योता दिया। यहां से सीधे वह अपने घर पहुंचे और अल्लाह की राह में जानवरों की कुर्बानी दी। नमाज के दौरान अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर मुश्ताक खान, एजाज कादरी, रोशन खान, हिदायतुल्लाह खान आदि मौजूद रहे। सुरक्षा की कमान एडीएम सहदेव मिश्र और एएसपी विनोद कुमार संभाल रहे थे। उनके नेतृत्व में एसडीएम रमेश कुमार, सीओ राजकुमार तिवारी, कोतवाल दिनेश प्रकाश पांडेय आदि मौजूद रहे। सुबह करीब आठ बजे मस्जिद में नमाज पढ़ी गई। बकरीद पर मुस्लिम आबादी वाले इलाकों में देर शाम तक चहल-पहल रही। लोग एक-दूसरे के घर पहुंचकर बकरीद की बधाई देते रहे। ग्राम पंचायत बछौंधा नईबाजार में मौलाना अब्दुल कयूम अहमद ने पढ़ाया। इस मौके पर हिफाजत अली, शहजाद अंसारी, वहीदुर्रहमान, तौजिर अहमद, जाफिर अली, कौशर अली, शहबाज आलम, अब्दुल रहमान, याकूब अहमद आदि मौजूद रहे। बीजपुरः जामा मस्जिद शांतिनगर, एनटीपीसी आवासीय परिसर, राजो, खम्हरिया में बकरीद की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से हुई। पेश इमाम साहब मौलाना शाहनवाज, सदर सलीम बाबा, इजाजत, उस्मान, मुजम्मिल, कलाम, जाकिर, मजिब, मीर हसन आदि मौजूद रहे। केकराहीः क्षेत्र के पापी, खैराही, भदोही, डीलाही, बहेरा, बारी, महेवा सहित नौ स्थानों पर सुबह आठ बजे बकरीद की नमाज हुई। करमा एसओ राजेश सिंह फोर्स के साथ चक्रमण करते रहे। सलखनः सलखन, मारकुंडी, गुरमा क्षेत्रों में बकरीद का त्योहार अमन-चैन और अकीदत के साथ मनाया गया। जिला कारागार में निरुद्ध महिला पुरुष बंदियों ने भी जिला कारागार परिसर में बकरीद का त्योहार हषील्लास के साथ मनाया। जेल परिसर में ही नमाज अदा कर एक दूसरे को त्योहार की बधाई दी। ओबरा/चोपन : नगर व आसपास के ग्रामीण इलाकों में बकरीद का पर्व परंपरागत ढंग से मनाया गया। मस्जिद और ईदगाहों में नमाज पढ़कर एक-दूसरे को बधाई दी गई। जानवरों की कुर्बानी भी दी। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। चोपन नगर के गौरव नगर स्थित ईदगाह में सुबह 8 बजे नमाज अदा की गयी। जामा मस्जिद के पेश ईमाम सद्दाम हुसैन कादरी ने नमाज से पहले तकरीरों में कुर्बानी की अहमियत बताई। चेयरमैन प्रतिनिधि उस्मान अली ने सभी को ईद उल अजहा की बधाई देते हुए कहा कि हमारे मुल्क की संस्कृति गंगा जमुना है। यहां हमेशा मुहब्बत का राज रहा है और हमेशा रहेगा। नमाज के बाद गुनाहों की तौबा करने के साथ अल्लाह के रास्ते पर चलने की ताकत देने और मुल्क की सलामती के लिये अमन-चैन की दुआ मांगी गई। अंजुमन के सेक्रेट्री महफूज आरिफ, जामा मस्जिद के नायब सदर सरफराज अहमद, हाजी मुख्तार अहमद, हाजी वकील अहमद, ईदू भाई, डॉ. मुनन ,नाजिम खान, सभासद मोजिब आलम, चिराग अली, रियाज अहमद, एजाज अंसारी, सलीम कुरैशी, सराफत अली आदि मौजूद रहे। डाला जामा मस्जिद पर मौलाना मोहम्मद जुबेर आलम ने नमाज अदा कराई। इस मौके पर फिरोज खान, शाहनवाज शाह, आमिल बेग, आदिल बेग, इरफान, दिलकुम अंसारी, यूसुफ अली, सतई अली, इमरान, जावेद, शाकिर सब्र, मुमताज आदि मौजूद रहे। ओबरा में भलुआ स्थित ईदगाह में सुबह 8 बजे हाफिज कारी मौलाना मुहम्मद असलम ने बकरीद की नमाज अदा कराई।

छह पशुओं के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

चोपन। स्थानीय पुलिस ने रविवार को सिंदूरिया मार्ग से तीन पशु तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से छह मवेशी मुक्त कराए गए। पूछताछ के बाद तीनों तस्करों को पुलिस ने जेल भेज दिया। चोपन थाना प्रभारी किरण कुमार सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर सिंदूरिया मोड़ के पास घेराबंदी की गई। वहां खड़ी एक पिकअप की तलाशी ली गई तो उसमें छह मवेशी भरे हुए थे। पुलिस ने पास से ही तीन तस्करों को पकड़ा। पूछताछ में उनकी पहचान रईस निवासी बजमरवा थाना खरौंदी जिला गढ़वा, राजेश बियार व इंद्रजीत गुप्ता ग्राम बोदार थाना कोन के रूप में हुई। तीनों को गोवध निवारण अधिनियम व पशु क्रूरता अधिनियम के तहत चालान कर जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसआई त्रिभुवन राय, दीपक पांडेय, सुरेंद्र प्रताप यादव शामिल रहे।

चूना दरी जलप्रपात में डूबने से वाराणसी के दो युवकों समेत तीन की मौत

मिर्जापुर। रोका गया सैलानियों का प्रवेशचूना दरी जलप्रपात में रविवार को नहाते समय डूबने से वाराणसी के चितईपुर थाना क्षेत्र के सुसुवाही निवासी संदीप खरवार (26), लंका थाने के मारुति नगर निवासी सौरभ (23) और सोनभद्र के घोरावल निवासी रिशु (22) डूब गए। मिर्जापुर जिले के चूना दरी जलप्रपात में तीन सैलानियों की रविवार को नहाने के दौरान कुंड में डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने चुनार से गोताखोरों बुलाकर उनकी तलाश कराई। काफी मशक्कत के बाद देर शाम को तीनों युवक के शव मिले। इनमें से दो वाराणसी के रहने वाले हैं। जानकारी पर रोते-बिलखते परिजन भी वहां पहुंचे।लखनिया दरी जलप्रपात में पानी कम होने के चलते ज्यादातर सैलानी चूना दरी की ओर रुख करते हैं। रविवार को इस जलप्रपात परिसर में झरने का लुत्फ लेने के लिए भारी भीड़ थी। लखनिया दरी पर्यटन स्थल पर पिकनिक मनाने वाराणसी के चितईपुर थाना क्षेत्र के सुसुवाही निवासी संदीप खरवार (26) पुत्र जितेंद्र खरवार अपने छह अन्य दोस्तों के साथ पहुंचे थे। पानी कम होने के चलते सभी चूना दरी चले गए। जहां ऊंचाई से गिर रहे झरने के पानी में नहाते समय फिसल कर संदीप खरवार कुंड की तलहटी में जाने से डूबने लगे। उन्हें डूबते देख छोटे भाई शुभम ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहा। हादसे के बाद पुलिस को सूचना दी गई। तभी अन्य सैलानियों ने बताया कि वाराणसी के लंका थाने के मारुति नगर निवासी सौरभ उर्फ प्रिंस (23) पुत्र प्रमोद सिंह व सैलानी रिशु (22) पुत्र जिऊत पटेल निवासी घोरावल सोनभद्र भी इसी

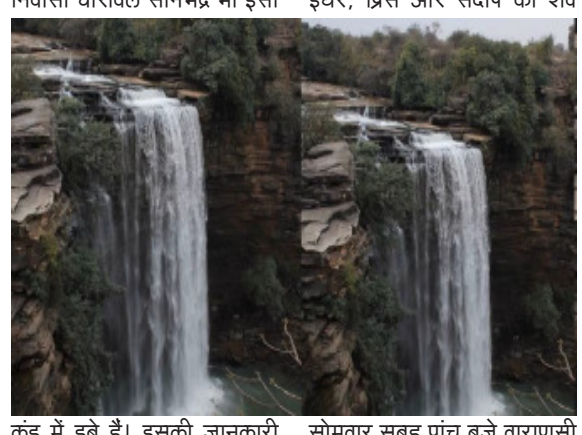

कुंड में डूबे हैं। इसकी जानकारी होते ही पुलिस ने चुनार से गोताखोरों को बुलाकर डूबे लोगों की तलाश शुरू कराई। करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद डूबे हुए तीनों युवकों के शव मिल सके। घटना की जानकारी होते ही पर्यटन स्थल पर सननटा पसर गया। संदीप खरवार का भाई शुभम और उसके साथी शव देखते ही बिलखने लगे। पर्यटन स्थल पर माहौल हादसे के बाद गमगीन हो गया। हादसे के संबंध में थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि चूना दरी जलप्रपात पर सैलानियों को जाने से रोक दिया गया है। भौगोलिक जटिलता के चलते पेड़ों और जंगली रास्तों का सहारा लेकर सैलानी वहां पहुंच रहे हैं। इसे और सख्ती से रोकने का प्रयास किया जाएगा। इधर, प्रिंस और संदीप का शव सोमवार सुबह पांच बजे वाराणसी स्थित उनके घर पहुंचा। दोनों शवों का अंतिम संस्कार एक साथ हरिश्चंद्र घाट पर हुआ। छोटे भाई की जिद के चलते संदीप गया था चूनादरी लंका और चितईपुर के रहने वाले दो युवकों की अहरौरा स्थित चूनादरी में डूबने से मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। चितईपुर के सुसुवाही निवासी संदीप खरवार, लंका के सामनेघाट मारुति नगर कॉलोनी निवासी सौरभ उर्फ प्रिंस की मौत के बाद से दोस्त और परिजन बेसुध है।

विराट कोहली फिर फेल चौका-छक्का लगाकर आउट

नई दिल्ली। ट्विटर पर लोग बोले- रन बनाओ, नहीं तो संन्यास लोकोहली के पास अब वनडे सीरीज में फॉर्म में लौटने का मौका है। टीम इंडिया 12, 14 और 17 जुलाई को तीन मैच खेलेगी। कोहली अगर इस मैच में शानदार पारी नहीं खेल पाए तो फिर उन्हें टीम से बाहर

किया जा सकता है विराट कोहली का खराब फॉर्म उनका पीछा नहीं छोड़ रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा। दूसरे मैच में एक रन बनाने वाले विराट तीसरे मैच में 11 रन ही बना सके। रविवार (10 जुलाई) को नॉटिंघम में कोहली शानदार लय में दिख रहे हैं। उन्होंने डेविड विली की गेंद पर चौका और छक्का लगाने के बाद अपना विकेट गंवा दिया। इसके बाद विराट ट्विटर पर ट्रोल हो गए। क्रिकेट प्रेमी उन्हें संन्यास लेने तक की सलाह दे रहे हैं। दूसरे ओवर की पहली गेंद पर ऋषभ पंत आउट हुए। रीस टोप्ले की गेंद पर कप्तान जोस बटलर ने विकेट के पीछे उनका कैच पकड़ा था। पंत के आउट होने के पहले कोहली क्रीज पर आए। उन्होंने पहली गेंद पर कोई रन नहीं लिया। अगली गेंद पर एक रन लेकर खाता खोला। इसके बाद तीसरे ओवर में उन्हें खेलने का मौका मिला। विली की पहली गेंद पर उन्होंने कोई रन नहीं बनाया। अगली गेंद को मिड-विकेट की ओर शानदार तरीके से खेलकर चौका बटोरा। विराट ने तीसरी गेंद को सामने की ओर मारा। गेंद सीधे बाउंड्री के बाहर गिरी। चौके के बाद कोहली ने छक्का लगा दिया। ऐसा लग रहा था कि कोहली आज तूफानी पारी खेलने वाले हैं, तभी उन्होंने एक और बाउंड्री के लिए एक्स्ट्रा कवर की ओर शॉट खेला। गेंद थोड़ी ऊंची और होती तो कोहली को बाउंड्री मिल जाता, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। गेंद सीधे जेसन रॉय के हाथों में चली गई। शानदार शुरुआत करने वाले विराट को एक बार फिर से निराश होकर पवेलियन लौटना पड़ा। कोहली के पास अब वनडे सीरीज में फॉर्म में लौटने का मौका है। टीम इंडिया 12, 14 और 17 जुलाई को तीन मैच खेलेगी। कोहली अगर इस मैच में शानदार पारी नहीं खेल पाए तो फिर उन्हें टीम से बाहर किया जा सकता है। मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने तीसरे टी-20 में भारत को 17 रन से हरा दिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 215 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए डेविड मलान ने 39 गेंदों पर 77 रन और लियाम लिविंगस्टोन ने 29 गेंदों पर 42 रन की नाबाद पारी खेली। जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 198 रन ही बना सकी। सूर्यकुमार की 117 रन की पारी बेकार गई। उनके अलावा टीम इंडिया का कोई बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सका। इस हार के बावजूद भारतीय टीम ने टी-20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की। अब भारत और इंग्लैंड के बीच 12 जुलाई से वनडे सीरीज खेली जाएगी।

रोहित ने सबसे ज्यादा पिटने वाले उमरान को थमाई ट्रॉफी, कोहली से छूटा कैच

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में भारत को 17 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में सूर्यकुमार यादव के शतक ने जमकर सुर्खियां बटोरी, लेकिन वो भारत को जीत नहीं दिला सके। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज का

आखिरी मैच इंग्लैंड के नाम रहा। भारत को इस मैच में 17 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही टीम इंडिया ने इंग्लैंड को क्लीन स्वीप करने का मौका भी गंवा दिया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 215 रन बनाए थे और भारतीय टीम इसके जवाब में सिर्फ 198 रन बना पाई। इंग्लैंड के लिए डेविड मलान ने सबसे ज्यादा 77 रन बनाए। वहीं, भारत के लिए सूर्यकुमार यादव ने 117 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके और भारत यह मैच हार गया।पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी यह मैच देखने स्टेडियम पहुंचे थे। इस मैच के दौरान विराट कोहली से कैच छूटा और यह कैच बाद में भारत को काफी महंगा पड़ा। वहीं, मैच खत्म होने के बाद रोहित ने टी20 सीरीज की ट्रॉफी उमरान मलिक को पकड़ा दी। युवा उमरान इस मैच में भारत के सबसे महंगे गेंदबाज थे। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी यह मैच देखने भी स्टेडियम में पहुंचे थे। उन्हें ट्रेंट ब्रिज के मैदान में देखा गया। धोनी पिछला मैच देखने भी बर्मिंघम पहुंचे थे। यहां उन्होंने ऋषभ पंत और ईशान किशन से भी बात की थी। हालांकि, इस मैच के दौरान धोनी ने खिलाड़ियों से बात नहीं की।धोनी ने इस मैच के दौरान रवि शास्त्री से बात की। धोनी की कप्तानी के दौर में रवि शास्त्री लंबे समय तक टीम इंडिया के कोच रहे थे। फिलहाल शास्त्री इस सीरीज में कमेंटेटर की भूमिका में हैं, जबकि धोनी अपनी छुट्टियां मनाने इंग्लैंड पहुंचे हैं।भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 सीरीज जीतने के बाद ट्रॉफी युवा उमरान मलिक को पकड़ा दी। उमरान के पास फिलहाल ज्यादा अनुभव नहीं है। वो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अलावा घरेलू क्रिकेट में भी ज्यादा मैच नहीं खेले हैं। इस मैच में भी उन्होंने 54 रन लुटाए थे और सबसे महंगे गेंदबाज थे, लेकिन रोहित ने उनका मनोबल बढ़ाने के लिए ट्रॉफी उनको दे दी। विराट कोहली ने इस मैच में सिर्फ छह गेंदें खेली, लेकिन बहुत ही आक्रामक अंदाज में नजर आए। उन्होंने डेविड विली के ओवर पहले चौका फिर सीधे बल्ले से छक्का लगाया। उनका यह शॉट क्रिकेट फैंस को खासा पसंद आया। इसी वजह से छोटी पारी खेलने के बावजूद कोहली ने काफी तारीफें बटोरी।विराट कोहली इस मैच में भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए। डेविड विली की दो गेंदों पर पहले चौका फिर छक्का लगाने के बाद विराट ने लगातार तीसरी गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की और जेसन रॉय को कैच थमा बैठे। विराट के लगातार फेल होने के बाद उन्हें टीम से बाहर करने की बातें होने लगी हैं। सूर्यकुमार यादव ने इस मैच में 117 रन की बेहतरीन पारी खेली, लेकिन भारत को जीत नहीं दिला सके। वो पांचवें भारतीय खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच में शतक लगाया है।

श्रीलंका ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया को पारी के अंतर से हराया.....

नई दिल्ली। चांदीमल ने रचा इतिहास, जयसूर्या ने लिए 12 विकेटश्रीलंका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में पांचवीं बार जीत मिली है। उसे पिछली जीत 2016 में मिली थी। तब उसने कोलंबो में श्रीलंका को 163 रन से हराया था। छह साल के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार श्रीलंका को टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत मिल ही

गई। उसने दो टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में कंगारू टीम को पारी और 39 रन से हरा दिया। गॉल स्टेडियम में मैच के चौथे दिन (11 जुलाई) को श्रीलंकाई गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में 151 रन पर समेट दिया। ऑस्ट्रेलिया पहले टेस्ट में 10 विकेट से जीता था। इस तरह सीरीज 1-1 की बराबरी पर छूटी। श्रीलंका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में पांचवीं बार जीत मिली है। उसे पिछली जीत 2016 में मिली थी। तब उसने कोलंबो में श्रीलंका को 163 रन से हराया था। उस सीरीज के तीनों मैच में लंकाई टीम जीती थी। उससे पहले उसे 1999 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र जीत मिली थी। श्रीलंका ने पांचों मैच अब तक अपने घरेलू मैदान पर ही जीते है। उसने पहली बार ऑस्ट्रेलिया को पारी के अंतर से हराया है। इससे पहले तीन बार रन और एक बार विकेट के अंतर से हराया था। मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उसने पहली पारी में 364 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने नाबाद 145 और मार्नश लाबुशेन ने 104 रन बनाए। इसके बाद श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में 554 रन बनाए। उसके लिए दिनेश चांदीमल ने नाबाद 206, दिमुथ करुणारत्ने ने 86, कुसल मेंडिस ने 85, कामिंदु मेंडिस ने 61 और एंजेलो मैथ्यूज ने 52 रन बनाए।

बांग्लादेश ने पहले वनडे मैच में वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराया

नई दिल्ली। तीन मैच की सीरीज में 1-0 से आगेवेस्टइंडीज के दौरे में टेस्ट और टी20 सीरीज हारने के बाद बांग्लादेश ने जीत के साथ वनडे सीरीज की शुरुआत की है। पहला मैच छह विकेट से जीतने के साथ ही बांग्लादेश ने तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच बांग्लादेश ने छह विकेट से अपने नाम किया। इस जीत के साथ बांग्लादेश ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। वेस्टइंडीज के दौरे पर यह बांग्लादेश की पहली जीत है। इससे पहले दो टेस्ट मैच की सीरीज में बांग्लादेश को 0-2 और तीन टी20 मैच की सीरीज में भी 0-2 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। बारिश से बाधित इस मैच में वेस्टइंडीज की टीम 41 ओवर में नौ विकेट खोकर 149 रन बना पाई थी। इसके जवाब में बांग्लादेश ने 31.5 ओवर में 151 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। वेस्टइंडीज की खराब बल्लेबाजी इस मैच से पहले गुयाना के स्टेडियम में काफी बारिश हुई थी और मैदान गीला होने की वजह से मैच देरी से शुरू हुआ। समय बर्बाद होने की वजह से ओवरों की संख्या 50 से घटाकर 41 कर दी गई थी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। दूसरे ओवर में ही शाई होप खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। 75 के स्कोर पर आधी कैरिबियाई टीम आउट हो चुकी थी। 110 के स्कोर पर नौ बल्लेबाज पवेलियन लौट गए थे, लेकिन एंडरसन फिलिप औप जायडेन सेल्स ने 39 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 149 तक पहुंचाया। सबसे ज्यादा 33 रन शमराह ब्रूक्स ने बनाए। एंडरसन फिलिप ने भी 21 रन की पारी खेली। बांग्लादेश के लिए शोरिफुल इस्लाम ने चार और मेंहदी हसन ने तीन विकेट लिए। मुस्तफिजुर रहमान को एक विकेट मिला। आसान लक्ष्य हासिल करने में लड़खड़ाया बांग्लादेश 150 रन के आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरे बांग्लादेश की शुरुआत भी कुछ खास नहीं थी। नौ रन के स्कोर पर टीम को पहला झटका लगा। हालांकि, इसके बाद तमीम इकबाल और नजमुल हसन ने पारी को संभाला। 49 के स्कोर पर तमीम और 98 के स्कोर पर नजमुल भी आउट हो गए, लेकिन महमुदुल्लाह और नुरुल हसन ने बांग्लादेश को जीत दिला दी। सबसे ज्यादा 41 रन महमुदुल्लाह ने बनाए। नजमुल ने 37 और तमीम ने 33 रन की पारी खेली। आसान स्कोर का पीछा करने में भी बांग्लादेश ने चार विकेट गंवा दिए। वेस्टइंडीज के लिए अकील हुसैन गुदाकेश मोटी और निकोलस पूरन ने एक-एक विकेट लिया।

कपिल बोले विराट को बाहर करो, रोहित का जवाब उनकी बातें हमारे लिए ज्यादा मायने नहीं रखती

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में विराट के फेल होने के बाद कपिल देव ने उन्हें टीम से बाहर करने की बात कही थी, लेकिन रोहित का कहना है कि कपिल देव को नहीं पता है कि टीम के अंदर क्या हो रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में फेल होने के बाद विराट कोहली को टीम इंडिया से बाहर करने की मांग उठने लगी है। पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने भी कहा है कि अगर अश्विन जैसा गेंदबाज भारत की टेस्ट टीम से बाहर हो सकता है तो विराट कोहली को टी20 टीम से बाहर क्यों नहीं किया जा सकता। इसके जवाब में मौजूदा भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि वो बाहर बैठकर मैच देख रहे हैं और उन्हें नहीं पता कि टीम के अंदर क्या हो रहा है। रोहित ने आगे कहा कि ये एक्सपर्ट लोग कौन हैं, इन्हें क्यों एक्सपर्ट बोला जाता है। वो बाहर से गेम देख रहे हैं, उनको कुछ पता नहीं है कि अंदर क्या चल रहा है।इंग्लैंड के खिलाफ दो टी20 मैच में विराट सिर्फ 12 रन बना पाए हैं। दूसरे मैच के बाद कपिल देव की बात का जवाब देते हुए रोहित शर्मा ने कहा ठवो बाहर बैठकर मैच देख रहे हैं और उन्हें नहीं पता कि अंदर क्या हो रहा है। हमारी अपनी सोच है। हम बहुत सोच समझकर अपनी टीम बनाते है। हम खिलाड़ियों को सपोर्ट करते हैं और उनहें मौके देते हैं। बाहर बैठकर आपको ये चीजें नहीं पता चलती हैं। इसलिए जो बाहर हो रहा है वो जरूरी नहीं है, बल्कि

जो अंदर हो रहा है वो हमारे लिए बहुत जरूरी है रोहित ने आगे कहा कि अगर आप फॉर्म की बात करते हैं तो हर खिलाड़ी उतार-चढ़ाव से गुजरता है। इससे खिलाड़ी की क्षमता नहीं प्रभावित होती। इसलिए हमें अपने दिमाग में ये सारी बातें रखनी चाहिए। जब कोई खिलाड़ी इतने सालों से अच्छा खेल रहा होता है तो एक या दो सीरीज उसे खराब खिलाड़ी नहीं बना देती। हमें उनके पिछले प्रदर्शन को नहीं भूलना चाहिए। हम जो टीम में हैं, हमें खिलाड़ियों की अहमियत पता है। उनको इस बारे में बात करने का पूरा अधिकार है, लेकिन यह हमारे लिए ज्यादा मायने नहीं रखता। कपिल देव ने कहा था कि अगर रविचंद्रन अश्विन जैसा गेंदबाज टेस्ट टीम से बाहर रखा जा सकता है तो विराट को टी20 टीम से बाहर क्यों नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा था ठअगर दुनिया के दूसरे नंबर का टेस्ट गेंदबाज अश्विन टेस्ट टीम से बाहर हो सकता है तो आपका नंबर एक बल्लेबाज भी टीम से बाहर हो सकता है। अगर वो अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो आप इन युवा खिलाडियों को लगातार टीम से बाहर नहीं रख सकते। मुझे उम्मीद है कि चनय के लिए अच्छी जंग होनी चाहिए। युवाओं को कोहली से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करनी चाहिए। लेकिन विराट को सोचने की जरूरत है। हां, मैं एक समय बड़ा खिलाड़ी था. लेकिन अब मुझे फिर से नंबर एक खिलाड़ी की तरह खेलने की जरूरत है। यह टीम की समस्या है और यह खराब समस्या नहीं है सूर्यकुमार के फैन हुए रोहित सूर्यकुमार यादव के 117 रन की पारी पर बात करते हुए रोहित शर्मा ने कहा ठजब आप बड़े लक्ष्य का पीछा करते हैं और क्रीज पर आकर उस अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं, जैसे उन्होंने की तो खिलाड़ी के बारे में पता चलता है कि वो कितना काबिल है। हमारे तीन विकेट गिर चुके थे और हम चाहते थे के वो साझेदारी जितना हो सके, उतनी लंबी हो। उन्होंने आज लगभग हर चीज सही की। अंत तक उनका क्रीज पर न रहना निराशानजक रहा, लेकिन इससे उनकी पारी कहीं से भी कमतर नहीं होती है। आप रोज ऐसी पारी नहीं देखते हैं। हम एक टीम के रूप में इसे दोनों हाथों से स्वीकार करते हैं। उनके पास मैदान के चारों तरफ शॉट हैं। यह क्षमता बहुत ही कम बल्लेबाजों में होती है। उनके जैसे खिलाड़ी का टीम में होना हमारे लिए सुखद है इंग्लैंड में सीरीज जीतने से आत्मविश्वास बढ़ा रोहित ने आगे कहा कि इंग्लैंड में सीरीज जीतने से टीम का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है। पहले मैच में कई खिलाड़ी नहीं थे, दूसरे मैच में उनकी वापसी हुई और तीसरे मैच में भी कुछ खिलाड़ी नहीं थे। टी20 विश्व कप आ रहा है। हमें खिलाड़ियों को बदलना होगा और उन्हें तैयार करना होगा।

आर्थिक संकट के बीच सनथ जयसूर्या ने भारत को कहा धन्यवाद.....

नई दिल्ली। बोले- संकट की शुरुआत से ही काफी मदद कीसनथ जयसूर्या ने कहा है कि भारत ने आर्थिक संकट की शुरुआत से ही श्रीलंका की मदद की है। भारत ने काफी मदद की है और वो पड़ोसी देश के शुक्रगुजार

हैं। श्रीलंका में आर्थिक संकट के चलते हालात काफी ज्यादा बिगड़ चुके हैं। देश की जनता सड़कों पर आकर प्रदर्शन कर रही है और देश के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे अपने परिवार के साथ गायब हो गए हैं। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं और इन प्रदर्शनकारियों में श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर सनथ जयसूर्या भी शामिल हैं। जयसूर्या ने कहा है कि सभी शांतिपूर्ण प्रदर्शन चाहते है और हम यही कर रहे हैं। राष्ट्रपति के इस्तीफे के लिए मैं पहले दिन से ही प्रदर्शनकारियों के साथ था। जयसूर्या ने आगे कहा स्पीकर, वरिष्ठ राजनेता, पार्टी के नेताओं को जल्द फैसला करने की जरूरत है। एक बार स्थायी सरकार बनने के बाद अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, भारत और बाकी साथी देश श्रीलंका की मदद करेंगे। भारत इस संकट की शुरुआत से ही काफी मददगार रहा है। भारत ने सहायता की है। हम इसके लिए आभारी हैं। भारत श्रीलंका के लिए अहम किरदार अदा कर रहा है। श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे टेस्ट मैच के दौरान हजारों प्रदर्शनकारियों न गॉल स्टेडियम को घेर लिया था।

सट्टा लगाने के लिए गुजरात में खेला जा रहा था फर्जी आईपीएल

नई दिल्ली। सटोरियों के कहने पर चौके-छक्के लगाते थे खिलाड़ीगुजरात के वडनगर में फर्जी आईपीएल का खुलासा हुआ है। इस लीग में खिलाड़ी सटोरियों के कहने पर चौके छक्के लगाते थे

और मैच का प्रसारण भी एक एप पर होता था। इसी मैच पर सट्टा लगाया जाता था। गुजरात के वडनगर से पुलिस ने एक गिरोह को पकड़ा है, जो आईपीएल की तर्ज पर मैच कराती थी और इस पर सट्टा लगाया जाता था। ये सारा काम रूस में बैठा गिरोह का मुखिया करता था। पुलिस को अभी भी इसकी तलाश है। इस लीग में खिलाड़ी से लेकर अंपायर और मैदान तक सब कुछ फर्जी था, लेकिन सट्टा असली पैसे का लगाया जा रहा था। इस लीग के मैच भी एक एप पर प्रसारित होते थे और इसी आधार पर लोग सट्टा लगाते थे। पुलिस ने सटोरियों के पास से बड़ी संख्या में सामान जब्त किया है, जिसमें कैमरे, फोन, क्रिकेट किट और कई तरह की मशीनें शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार गुजरात के वडनगर में कुछ लोगों ने एक फॉर्म हाउस खरीदा था। मालीपुर गांव के इस फॉर्म हाउस में क्रिकेट का मैदान बनाया गया और इसे आईपीएल के स्टेडियम का रूप दे दिया गया। फ्लड लाइट्स से लेकर कैमरा, कमेंट्री बॉक्स तक हर चीज की व्यवस्था की गई। अंपायर और कमेंटेटर भी बुलाए गए।

राशीफल

मेष-: आप ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे लेकिन काम का बोझ आपको परेशान करेगा। वित्तीय कल्याण आपके लिए अपनी ज़रूरत की चीज़ें खरीदना आसान बना देगा।

वृष-: आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपका मन चाह सकता है कि आप कोई नया काम शुरू करें। जिसमें आपको सफलता भी मिलेगी।

मिथुन-: कोई शुभ समाचार मिल सकता है। सहभागी व्यवसायों और वित्तीय योजनाओं में हेराफेरी करने में निवेश न करें। आपका ऊर्जावान, जीवंत और गर्मजोशी भरा व्यवहार आज आपके आस-पास के लोगों को खुश कर देगा।

कर्क-: आज का दिन अच्छा रहने वाला है. आज अचानक आपका आपा खो सकता है और जीवनसाथी से विवाद हो सकता है। करियर के मामले में आप पर जितनी जिम्मेदारियां आप संभाल सकते हैं

सिंह-: बेचैनी की फुसफुसाहट आपको परेशान कर सकती है. इससे बचने के लिए टहलने जाएं और ताजी हवा में गहरी सांस लें। साथ ही सकारात्मक सोच भी बहुत मददगार होगी।

कन्या-: आज आप भाग्यशाली रहेंगे। मेडिकल छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है। आपको किसी अच्छे डॉक्टर के साथ काम करने का मौका मिल सकता है। पारिवारिक किसी महत्वपूर्ण कार्य के कारण आपको स्टेशन से बाहर।

तुला-: तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

वृश्चिक-: आज के दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी. आज आप सकारात्मक तरंगों से भरे हुए हैं। अपनी योजनाओं को दूसरों के साथ साझा न करें, अन्यथा दूसरे लोग इसका फायदा उठा सकते हैं।

धनु-: अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है. मन जीवन का द्वार है, क्योंकि इससे अच्छा और बुरा सब कुछ आता है। यह जीवन की समस्याओं पर काबू पाने में मददगार साबित है।

मकर-: आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है. व्यापार से जुड़ा कोई जरूरी काम आज पूरा हो सकता है। कोई नया काम शुरू करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज आप हर उस व्यक्ति के साथ प्यार से पेश आएंगें।

कुंभ-: अपने शरीर से थकान को दूर करने और अपनी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूर्ण आराम की आवश्यकता है, अन्यथा शरीर की थकान आपके मन में निराशा को जन्म दे सकती है।

मीन-: तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

सम्पादकीय

हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की बढ़ती डिमांड में अहम योगदान दे रहा हेरिटेज इंस्टिट्यूट ऑफ होटल एंड टूरिज्म...............

जैसे-जैसे दुनिया पटरी पर लौट रही है, सभी उद्योग पूरी तरह से पुनर्जीवित होने की कोशिश कर रहे हैं और करियर की एक विस्तृत श्रृंखला पेश कर रहे हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि भारत में यात्रा और आतिथ्य क्षेत्र सबसे आकर्षक करियर विकल्पों में से एक क्यों है? ऐसा लगता है कि हर दूसरा व्यक्ति इस उद्योग का हिस्सा बनने की ख्वाहिश रखता है और यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है पर्यटन में रिबाउंड के साथ, इस क्षेत्र में मार्च में अधिकतम हायरिंग देखी जा रही है। एक शोध के अनुसार, यात्रा और आतिथ्य क्षेत्र में पिछले साल की महामारी की लहरों की बेड़ियों से बचते हुए. छुट्टियों के मौसम के करीब आते ही हायरिंग में 357 प्रतिशत की वृद्धि का अनुभव हो रहा है।हालाँकि, स्थिति वर्तमान में विकसित हो रही है। जैसा कि अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं ने अपने यात्रा प्रतिबंधों और मानकों में ढील दी है जिससे यात्रियों की वृद्धि होने के कारण, आतिथ्य और पर्यटन उद्योग, एक बार फिर पहले जैसे हो गये है। जिसके परिणामस्वरुप होटल प्रबंधन में नौकरी के ढेर सारे विकल्प हैं।विश्व के विभिनन्‍ उद्योगों में आतिथ्य उद्योग निरंतर विकास और विस्तार के पथ पर अग्रसर है। हालांकि, ण्ध्न्न्छ्र महामारी के दौरान न केवल आतिथ्य उद्योग अपितु अन्य सभी उद्योग भी समान रूप से प्रभावित हुए हैं लेकिन अब यह एक तरह से खत्म हो गया है। जैसे-जैसे दुनिया पटरी पर लौट रही है, सभी उद्योग पूरी तरह से पुनर्जीवित होने की कोशिश कर रहे हैं और करियर की एक विस्तृत श्रृंखला पेश कर रहे हैं। इसी तरह, वर्तमान में हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में एक उत्कृष्ट करियर को आकार देना समयानुकूल है - बशर्ते कि आपने भारत के सर्वश्रेष्ठ होटल मैनेजमेंट कॉलेजों में से एक से अपनी डिग्री पूरी की हो। हॉस्पिटैलिटी उद्योग ने सभी उतार-चढ़ावों के बावजूद, एक बार फिर पटरी पर वापस आने में कामयाबी हासिल की है क्योंकि लोगों ने यात्रा करना शुरू कर दिया है, होटल आवास आदि का उपयोग करना शुरू कर दिया है। क्या 2022 में होटल प्रबंधन अभी भी एक व्यवहार्य करियर विकल्प है?2022 में होटल मैनेजमेंट में करियर ढेर सारे विकल्प प्रदान करेगा। होटल प्रबंधन में कैरियर की संभावनाएं 2022 में तेजी से बढ़ने और पूरे दशक में स्थिर रहने की उम्मीद है। नतीजतन, यह दावा करना सुरक्षित है कि अब होटल प्रबंधन में एक सफल करियर के लिए साइन अप करने का सबसे अच्छा क्षण है। केनेथ रिसर्च ने भारत में होटल उद्योग पर एक रिपोर्ट जारी की जिसमें 2022-2031 की पूर्वानुमान अवधि में बाजार और उद्योग की अंतदृष्टि का विस्तृत विश्लेषण शामिल है। बाजार मूल्य के विश्लेषण और पूर्वानुमान अवधि के दौरान सीएजीआर की गणना के आधार पर रिपोर्ट में बाजार में नवीनतम रुझानों और व्यापार के अवसरों पर चर्चा की गई है। पूर्वानुमान अवधि के दौरान बाजार में महत्वपूर्ण सीएजीआर से बढ़ने का अनुमान है। इसका मतलब है कि सर्वश्रेष्ठ होटल प्रबंधन कॉलेजों के सनतक भारत और विदेशों में होटल प्रबंधन में सफल करियर बना सकते हैं।मोदी की 'मेक इन इंडिया' पहल से अंतरराष्ट्रीय पूंजी को औद्योगिक क्षेत्र में आकर्षित करने के साथ-साथ देश के होटल और पर्यटन उद्योगों में महत्वपूर्ण योगदान देने की उम्मीद है। इसके शीर्ष पर भारत की सक्रिय पर्यटन नीति उद्योग के पुनरुत्थान के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक है।होटल प्रबंधन में करियर उच्च-भुगतान वाले पेशे तेजी से उननति और दुनिया की यात्रा करने और विविध संस्कृतियों के बारे में जानने का अवसरप्रदान करते हैं।लगातार होटल में नए ग्राहकों से मिलने का मतलब है कि आपको हर दिन नई चुनौतियों और अनुरोधों का सामना करना पड़ेगा, जो आपके कार्य दिवस को आकर्षक बनाए रखेंगे।भारत में पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र ने एक बार फिर अधिकतम भर्ती के साथ वापसी की है। इन उद्योगों में करियर बनाने की चाहत रखने वाले युवा पेशेवर हेरिटेज इन्स्टीट्यूट ऑफ होटल एण्ड टूरिज्म, आगरा में प्रवेश लेकर होटल मैनेजमैन्ट में उच्च प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते है । आज हेरिटेज इन्स्टीट्यूट ऑफ होटल एण्ड टूरिज्म, आगरा के यही युवा स्टूडेंट्स अब होस्पिटेलिटी सेक्टर में (देश-विदेश) में परचम फहरा रहे हैं। तो यदि आप पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के करियर में रुचि रखते हैं, तो निश्चित रूप से कार्य करने का समय है।

व्यापार पर नियंत्रण की दिशा में सरकार का कदम

भारत में कच्चे तेल को परिष्कृत कर पेट्रोल एवं डीजल बनाने की बहुत बड़ी क्षमता उपलब्ध है एवं इस कार्य में कुछ निजी कंपनियां भी संलगन्‍हैं। पहली जुलाई से केंद्र सरकार ने भारत से निर्यात किए जा रहे पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन पर निर्यात कर बढ़ा दिया है। साथ ही भारत में स्वर्ण आयात को नियंत्रित करने के लिए, सोने तेल की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। अमेरिका सहित कई यूरोपीय देशों ने रूस पर कई प्रकार के प्रतिबंध लागू कर दिए हैं, जिसके कारण रूस को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल एवं गैस का निर्यात करने में भारी कठिनाई हो रही है। ऐसे समय में भारत रूस की सहायता में आगे आया और रूस से कच्चे तेल का आयात (भारी

पर सीमा शुल्क को 10.75 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया है। कच्चे तेल पर प्रति टन के हिसाब से 23,250 रुपये का उपकर लगाया गया है; यह उपकर कच्चे तेल के आयात पर लागू नहीं होगा। पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क/उपकर, पेट्रोल पर छह रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 13 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से लागू किया गया है। विमान ईंधन के निर्यात पर छह रुपये प्रति लीटर के हिसाब से विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाया गया है। इन कदमों से घरेलू ईंधन की कीमतें अप्रभावित हैं। रूस एवं यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे रियायत एवं कीमत डॉलर में अदा न करते हुए रुपये/रूबल में करने की शर्त पर) करने की ओर अग्रसर हुआ है। भारत में कच्चे तेल को परिष्कृत कर पेट्रोल एवं डीजल बनाने की बहुत बड़ी क्षमता उपलब्ध है एवं इस कार्य में कुछ निजी कंपनियां भी संलगन्‍ हैं। ये कंपनियां रूस से रियायत पर आयातित कच्चे तेल को पेट्रोल एवं डीजल में परिष्कृत कर अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर निर्यात करके भारी लाभ अर्जित कर रही थीं। इस प्रकार के व्यवहार को 'विंडफॉल गेन' (अप्रत्याशित लाभ) कहा जा रहा है। इस 'विंडफॉल गेन' पर अब केंद्र सरकार ने कर लगा दिया है।

इसका इलाज भी तो बताएं गृह मंत्री...

अमित शाह ने कहा कि हालत यह है कि दोनो शीर्ष सेवाओं में आपस में तालमेल नहीं है। आईएएस के नियमों को आईपीएस नहीं मानते। उन्हें लगता है कि आईएएस सबसे पहले अपने हित साधन और स्वार्थरक्षा के हिसाब से कानून और नियम बनाते हैं। यह भी प्रशासनिक सेवाओं में अलग तरह का ब्राह्मणवाद है। जिसमें ब्राह्मण देवता पर सवाल उठाना नैतिक अपराध है।केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता अमित शाह ने नौकरशाही में व्याप्त 'वर्ण व्यवस्था' का खुलकर जिक्र तो किया, लेकिन इसके 'इलाज' की कोई बात नहीं की। गोया यह लाइलाज मर्ज हो। जयपुर में आयोजित नार्दर्न काउंसिल की बैठक में शाह ने जो कहा, उसका आशय यही था कि आईएएस और आईपीएस दोनो ही केन्द्रीय सेवाएं हैं, लेकिन दोनों में वैसा तालमेल नहीं है, जैसा कि होना चाहिए। तीनो कैडरों की दुनियामतभेद और ईर्ष्या अथवा परस्पर तुच्छ भाव ज्यादा है। बकौल शाह तीनो कैडरों ने अपनी दुनिया बना ली है, वो उसी में जीना चाहते हैं। हालांकि, बहुत से लोगों का मानना है कि भारत ब्यूरोक्रेसी के इसी 'स्टील फ्रेम' की वजह से कायम है। बावजूद तमाम मतभेदों के नौकरशाही एक छतरी के रूप में काम करती है। इसे व्यक्तिगत राग द्वेष के आईने में नहीं देखा जाना चाहिए। लेकिन अमित शाह ने जो कहा, वो महज एक और शोशेबाजी है, ऐसा नहीं कहा जा सकता। इस तरह की आंतरिक खींचतान भारतीय ब्यूरोक्रेसी की हकीकत है। भले ही पहली दफा बहुत साफ और तंज के रूप में किसी वरिष्ठ मंत्री ने ऐसा कहा हो। इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज (आईएएस) यानी भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी तो खुद को ही देश का भाग्यविधाता मानकर चलते हैं। निरीह जनता पर रौब झाड़ते हैं, दबंग आका के आगे बिछे चले जाते हैं। हालांकि, कुछ खुद्दार अफसर भी होते हैं। उनकी नस्ल दुर्लभ श्रेणी की है और वे व्यवस्था की प्रताड़ना से पीड़ित रहते हैं। पब्लिक तो खाकी से डरती है जबकि इंडियन पुलिस सर्विस (आईपीएस) यानी भारतीय पुलिस सेवा (पुलिस का कोई सर्वमान्य हिंदी अनुवाद नहीं है) का मानना है कि असल में सत्ता का

डंडा तो उन्हीं के पास रहता है भले आईएएस खुद को तीसमारखां समझें। पब्लिक तो खाकी से डरती है। जबकि आईएएस की सोच अमूमन यही रहती है कि बस एक बार यह तमगा मिल जाए फिर बाकी दुनिया कदमो में है। आजादी के 75 साल बाद भी यही कारण है कि आजादी के 75 साल बाद भी प्रशासनिक सेवाओं के ज्यादातर अफसरों की मानसिकता 'प्रजा पर राज' करने के भाव से ही अभिप्रेरित है। यह सही है कि भारत में अधिकांश मामलों में सत्ता के शीर्ष सूत्र आईएएस अधिकारियों के पास ही रहते हैं, जिनमें आईपीएस भी शामिल हैं। जबकि दोनो ही कैडर के अफसर कठिन प्रतियोगी परीक्षा पास करके आते हैं और दोनो की ही सेवाएं अखिल भारतीय मानी जाती है। मगर सच्चाई यही है कि गिने-चुने अफसर ही ऐसे होते हैं, जो लीक से हटकर और स्वतंत्र देश के स्वतंत्र नागरिक की तरह सोचते और नवाचार करते हैं। ज्यादातर के लिए आईएएस और आईपीएस बनना यानी आजीवन सत्ता का निरंकुश उपभोग करना ही है।अमित शाह ने कहा कि हालत यह है कि दोनो शीर्ष सेवाओं में आपस में तालमेल नहीं है। आईएएस के नियमों को आईपीएस नहीं मानते। उन्हें लगता है कि आईएएस सबसे पहले अपने हित साधन और स्वार्थरक्षा के हिसाब से कानून और नियम बनाते हैं। यह भी प्रशासनिक सेवाओंमें अलग तरह का ब्राह्मणवाद है। जिसमें ब्राह्मण देवता पर सवाल उठाना नैतिक अपराध है। इसी से खीजे आईपीएस मौका लगते ही आईएएस को घेरना नहीं छोड़ते। ठीक वैसे ही कि जैसे ओबीसी सवर्णों को बेदखल तो करना चाहते हैं लेकिन उनका लक्ष्य भी ब्राह्मण बनना ही है। संक्षेप में कहें तो 'प्रशासनिक ब्राह्मणत्व' भी एक अवस्थिति है, जिसके प्रति जितना रोष है, उससे ज्यादा आकर्षण है। इतिहास पर एक नजर इतिहास में जाएं तो भारत में इस तरह की अखिल भारतीय सेवाओं की शुरूआत ब्रिटिश राज में शुरू हुई, जब अंग्रेजों धर्म, समाजों, समुदायों में बंटे भारतीयों पर शासन करने के लिए एक स्वामीभक्त और तंत्रनिष्ठ सिस्टम दरकार थी। यह व्यवस्थाक उन्होंने बहुत समझकर और दूरगामी सोच के साथ बनाई थी। अंग्रेजों की दृष्टि में विविधता और बहुआयामी संस्कृति वाले इस देश पर राज करने का यही सबसे बढिया तरीका था। इसीलिए जब भारत ब्रिटेन की रानी के साम्राज्य का सीधे तौर पर हिस्सा बना तो 1858 में इंपीरियल सिविल सर्विसेज की स्थापना हुई। भारतीयों की एंट्री इसमें 1863 में ही हो सकी। कवीन्द्र रवीन्द्र के बड़े भाई सत्येन्द्रनाथ ठाकुर पहले भारतीय आईसीएस अफसर थे। आजादी के बाद 1950 में आईएएस का गठन हुआ। हालांकि, कई बड़े नेताओं की नजर में इन आईएएस का मोल अलग ही था। समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नाडिस तो आईएएस की व्याख्या 'आईएमसेफ' के रूप में किया करते थे तो मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री रहे गोविंद नारायण सिंह आईएएस को 'बड़े बाबू' कहकर सम्बोधित करते थे। यह बात अलग है कि स्वतंत्रता के 75 साल बाद भी इसे सेवा का कोई कारगर विकल्प नहीं खोजा जा सका है।केन्द्रीय गृहमंत्री ने जिस तीसरे वर्ण' का जिक्र किया वो 'राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर हैं। इनकी अपनी दुनिया है। ये खुद को 'भूमि पुत्र' (सन ऑफ सॉइल) मानते हैं। क्योंकि इस कैडर में ज्यादातर भर्ती उसी राज्य से होती है, जहां के ये निवासी होते हैं। मूल निवासी न भी हो तो इनकी प्रशासनिक दीक्षा एक ही राज्य में होने की वजह से माना जाता है कि वो जमीनी तासीर को भली-भांति समझते-बूझते हैं। राजनीतिक आकाओं की मंशा को भांपने और तदनुसार खुद को ढालने का एक जन्म जात गुण इस कैडर में दिखाई पड़ता है। इन्हीं में से कई अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में चले जाते हैं, लेकिन मूल संस्कार तकरीबन कायम रहता है। केन्द्र और राज्य में अलग'अलग राजनीतिक दलों की सरकारें होने से इस 'वर्ण' का महत्व स्वयमेव ज्यादा है। प्रशासनिक अनुकूलन इनके डीएनए में होता है। कुछ जानकारों की नजर में प्रशासन की असली रीढ़ इसी वर्ण के अफसर होते हैं, चाहे वो प्रशासन में हों या पुलिस में।चूंकि ये 'भूमि पुत्र' माने जाते हैं, इसीलिए आईएएस अथवा आईपीएस के प्रशासनिक ब्राह्मणवाद को नकारना इनका जन्म सिद्ध अधिकार होता है। अमित शाह का दर्द भी यही है। ये राज्य के अफसर केन्द्र के अफसरों के नियमो को धता बताने में गुरेज नहीं करते। क्योंकि ये राज्य हितों की रक्षा अपना नैसर्गिक कर्तव्य मानते हैं। दिलचस्प बात यह है कि अमित शाह ने इस वर्ण व्यवस्था का खुलासा देश में बढ़ते साइबर क्राइम के संदर्भ में किया। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम को रोकने नए कानून भी बन जाएंगे, लेकिन सवाल उन पर प्रभावी अमल का है। वैसे आईएएस बनाम आईपीएस बहस बरसों पुरानी है। लेकिन इसका कोई ठोस नतीजा आज तक नहीं निकल सका है। आईपीएस खुद आईएएस को अपने से ज्यादा पावरफुल मानते हैं, इसलिए कुछ तो आईपीएस की नौकरी छोड़कर आईएएस बनते हैं। यही तमनन राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों की भी होती है। सामाजिक रूप से जाति व्यवस्था में तो फिर भी समरसता का इत्र घोला जा सकता है, लेकिन प्रशासनिक वर्ण व्यवस्था का इलाज हकीम लुकमान के पास भी होगा, ऐसा नहीं लगता। शायद इसीलिए अमित शाह ने मर्ज तो बताया मगर मर्ज का इलाज नहीं सुझाया। शायद सरकार खुद भी इस रोग को लाइलाज ही रखना चाहती है। शायद इसी में उसका फायदा है। वैसे भी इलाज बहुत मुश्किल है, इसलिए कोई करना भी नहीं चाहता। डिस्क्लेमर (अस्वीकरण): यह लेखक के निजी विचार हैं। आलेख में शामिल सूचना और तथ्यों की सटीकता, संपूर्णता के लिए अमर उजाला उत्तरदायी नहीं है। अपने विचार हमें पर भेज सकते हैं।

कूटनीति के जरिये चीन से मुकाबलापिछले महीने शांगरी ला डायलॉग में चीनी रक्षामंत्री जनरल वेई फेंघे ने लद्दाख में गतिरोध के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया था

विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने विगत बृहस्पतिवार को इंडोनेशिया के बाली में जी-20 की बैठक के दौरान अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात के बाद ट्वीट किया था, 'बातचीत के दौरान सीमा की स्थिति से संबंधित हमारे द्विपक्षीय संबंधों में महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। साथ ही छात्रों और उड़ान समेत अन्य मामलों पर भी बात की।' जयशंकर ने यह नहीं लिखा, 'अपने मित्र से मिला', जैसा कि आम तौर पर वह लिखते हैं। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है, 'विदेशमंत्री ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के साथ सभी मुद्दों के शीघ्र समाधान का आह्वान किया।' ग्लोबल टाइम्स ने बैठक के बारे में चीनी विदेश मंत्रालय के हवाले से कहा है, 'भारत और चीन एक साथ सीमा पर शांति और स्थिरता की रक्षा करने में सक्षम और इच्छुक हैं। चीन- भारत सीमा पर स्थिति स्थिर है और दोनों पक्षों ने दोनों देशों के नेताओं की सहमति और उनके द्वारा हस्ताक्षरित समझौते के अनुरूप, इसके पश्चिमी खंड से संबंधित मुद्दों को हल करने पर सहमति व्यक्त की।' जाहिर है, दोनों देशों की राय में अंतर है। वांग यी, चीनी दृष्टिकोण को पेश करते हुए कहते रहे हैं कि दोनों पक्षों को 'अपने द्विपक्षीय संबंधों में अपने सीमा मतभेदों को उचित ढंग से रखना चाहिए और चीन-भारत संबंध सही दिशा में होने चाहिए।' चीन इस पर जोर देता रहा है कि सीमा का समाधान दूसरे संबंधों की कीमत पर नहीं होना चाहिए। जबकि भारत ने हमेशा दोहराया है कि जब तक वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अप्रैल, 2020 से पहले की स्थिति बहाल नहीं हो जाती, तब तक संबंध सामान्य नहीं हो सकते। पिछले महीने शांगरी-ला डायलॉग में चीनी रक्षामंत्री जनरल वेई फेंघे ने लद्दाख में गतिरोध के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा था कि 'सीमावर्ती क्षेत्रों में संघर्ष से यह स्पष्ट है। रक्षामंत्री के रूप में मुझे व्यक्तिगत रूप से इस टकराव की शुरुआत और अंत का अनुभव हुआ। हमें बहुत सारे भारतीय हथियार मिले हैं। उन्होंने अपने लोगों को चीनी क्षेत्र में भी भेजा है।'

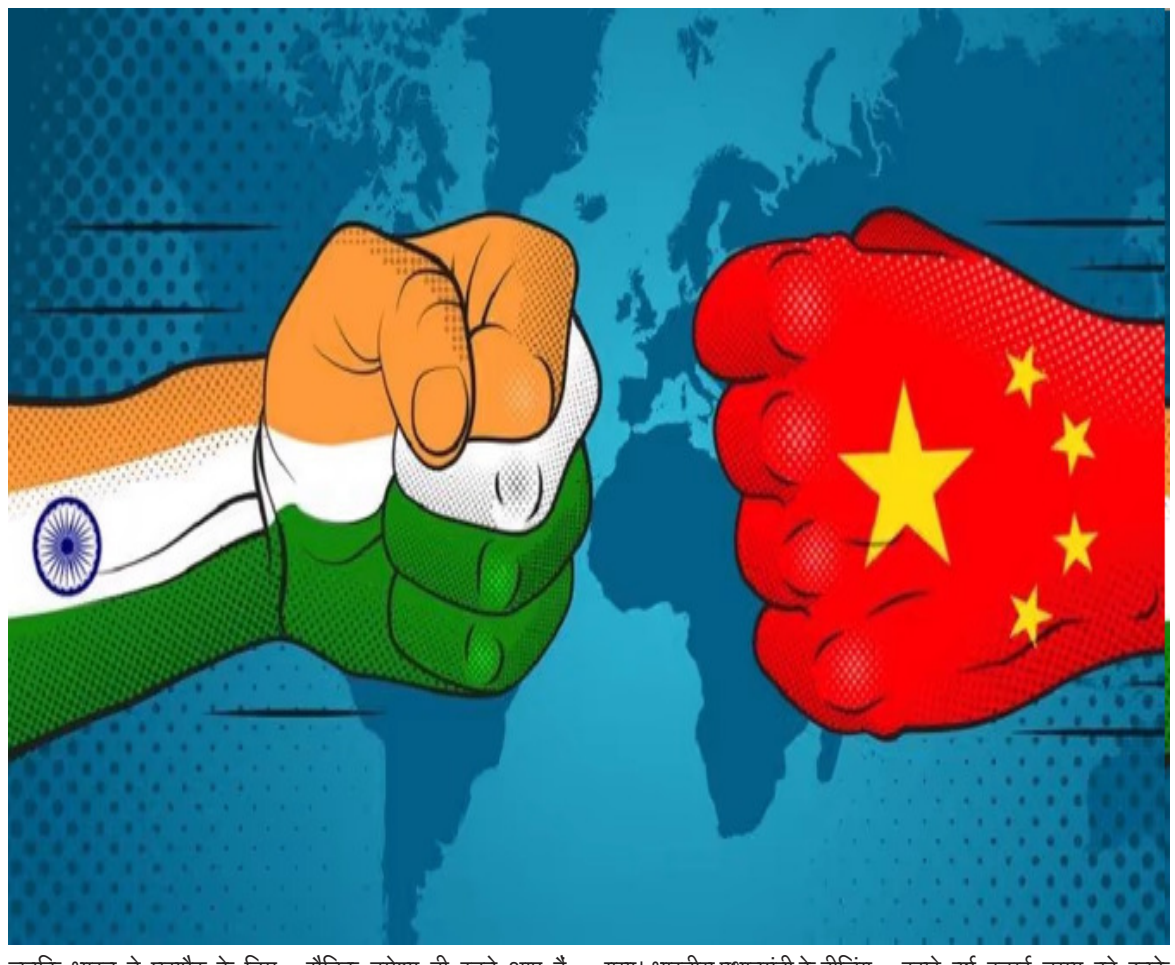

जबकि भारत ने घुसपैठ के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया है। फेंघे ने यह भी कहा कि ' भारत के साथ हमारी कमांडर स्तर की 15 दौर की बातचीत हो चुकी है और हम शांति के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।' 16वें दौर की बातचीत के लिए किसी तारीख पर सहमति नहीं बनी है। भारत का मानना है कि चीन नए सिरे से सैन्य स्तर की वार्ता स्वीकार करने को तैयार नहीं है। दोनों देशों ने लद्दाख में 60,000 से अधिक सैनिक तैनात किए हैं और एक-दूसरे की किसी भी आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए बुनियादी ढांचा बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। लद्दाख में भारतीय सैनिक हमेशा ही रहते आए हैं, वहीं चीन को अपने सैनिकों के रहने के लिए निर्माण कार्य करने पर मजबूर होना पड़ा। चीन जानता है कि भारत के पास आक्रामक हमला करने और उसे शर्मिंदा करने की क्षमता है। गलवान में चीनी वर्चस्ववाद का मिथक टूट भी गया। कूटनीतिक मोर्चे पर भी भारत चुप नहीं है। विगत मार्च में चीनी विदेशमंत्री की भारत की अघोषित यात्रा का उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या भारतीय प्रधानमंत्री चीन में ब्रिक्स नेताओं की बैठक में व्यक्तिगत तौर पर भाग लेंगे। भारत की मनाही के बाद बैठक को ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया। भारतीय प्रधानमंत्री के बीजिंग न जाने से ब्रिक्स के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में चीनी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। भारत ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से अलग हटकर आयोजित होने वाली 'वैश्विक विकास पर उच्च स्तरीय वार्ता' में चीन के प्रमुख सहयोगी पाकिस्तान की भागीदारी भी रोक दी। चीन के पास कोई विकल्प नहीं था, क्योंकि पाकिस्तान की मौजूदगी पर जोर देने पर भारत बैठक में हिस्सा लेने से मना कर सकता था। भारत ने संयुक्त बयान में पश्चिम द्वारा प्रतिबंधों को युद्ध के औजार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाने की भी अनुमति नहीं दी। प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार दूसरे वर्ष दलाई लामा को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। इस बार उन्होंने उनसे फोन पर बात की। यह 'वन चाइना' की भारत की पूर्व नीति के खिलाफ था। चीन दलाई लामा को 'विभाजनकारी' मानता है, जबकि भारत उन्हें एक धार्मिक नेता के रूप में देखता है। दोकलाम और लद्दाख गतिरोध के बीच मोदी सरकार ने किसी भी तिब्बती आयोजन में भाजपा सदस्यों के शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया था। पर प्रधानमंत्री मोदी के इस कदम से संकेत मिलता है कि अगर चीन सीमा संकट के समाधान से इनकार करता रहा, तो भारत अपनी 'वन चाइना' नीति को बदल देगा। आगे भारत ने यह घोषणा करते हुए अपनी आक्रमकता दिखाई कि वह अगले साल जी-20 की, जिसकी अध्यक्षता वह दिसंबर में संभालने वाला है, बैठक जम्मू-कश्मीर में आयोजित करने पर विचार कर रहा है। चीन ने इस पर पाकिस्तान की आपत्ति का समर्थन किया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि 'हम आर्थिक सुधार पर ध्यान केंद्रित करने और प्रासंगिक मुद्दे (जम्मू-कश्मीर) के राजनीतिकरण से बचने के लिए संबंधित पक्षों से आह्वान करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हम बैठक में भाग लेंगे या नहीं, उस पर गौर करेंगे।' साथ ही, चीन ने विवादित क्षेत्र से गुजरने वाले अपने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का बचाव यह दावा करते हुए किया कि यह एक आर्थिक कार्यक्रम है, जो सैन्य या राजनयिक गतिविधियों से जुड़ा नहीं है। भारत ने मौखिक रूप से चीन को जवाब नहीं दिया, पर लद्दाख को एक और संभावित गंतव्य के रूप में जोड़कर पलटवार किया। इससे चीन की भावनाएं भड़क उठी हैं और उसकी प्रतिक्रिया आना बाकी है। भारत-चीन के बीच सैन्य गतिरोध भले ही जारी है, पर चीन का मुकाबला करने के लिए भारत अपनी कूटनीतिक एवं वित्तीय शक्ति का प्रयोग कर रहा है। भारत जानता है कि चीन की तुलना में उसके पास ज्यादा कूटनीतिक वैश्विक दबदबा है और वह चीन को चोट पहुंचाने की क्षमता रखता है। यह क्षमता इस भरोसे पर टिकी है कि भारतीय सेना लद्दाख के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सैनिकों को रोक देगी।

संक्षिप्त समाचार

देहरादून में झमाझम बारिश, यमुनोत्री के राना गांव में घुसा पानी

उत्तराखंड। बदरीनाथ हाईवे समेत 211 सड़कें बंद उत्तराखंड में मंगलवार को मौसम ने फिर करवट बदली। दोपहर को देहरादून में झमाझम बारिश हुई। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार, सभी जिलों में गरज के साथ बारिश की संभावना है। खासकर देहरादून, पौड़ी, चंपावत, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर जिलों में आंधी के साथ तेज बारिश हो सकती है। वहीं, प्रदेशभर में आज सुबह से ही बादल छाए हैं। मसूरी में घने बादल के साथ ही कोहरा भी छाया हुआ है। मौसम ने साथ दिया तो लोनिवि सहित दूसरी एजेंसियों ने एक दिन पहले बंद तीन राष्ट्रीय राजमार्गों सहित तमाम राज्य और जिला मार्गों को खोलने में कामयाबी पाई, लेकिन ग्रामीण सड़कों का नंबर देर से आने के चलते अब भी 190 सड़कें

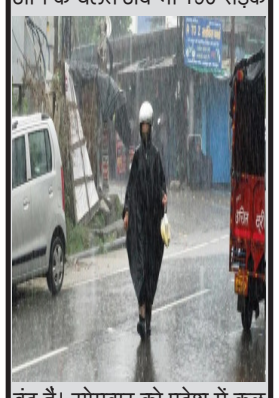

बंद हैं। सोमवार को प्रदेश में कुल 211 सड़कें बंद रहीं। लोनिवि की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार, प्रदेश में नौ राज्य स्तरीय मार्ग, नौ जिला मुख्य मार्ग, तीन अन्य जिला मार्ग, 83 ग्रामीण सड़कें और 107 पीएमजीएसवाई की सड़कें बंद हो गईं। सड़कों को खोलने के काम में 240 जेसीबी मशीनों को लगाया था। इस दौरान कुल 74 सड़कों को खोलने में कामयाबी मिली। जबकि 68 सड़कें सोमवार को बंद हुई। 143 सड़कें एक दिन पहले से ही बंद थीं। इधर, प्रमुख सचिव लोनिवि आरके सुधांशु ने बताया कि शासन स्तर पर बंद सड़कों की लगातार समीक्षा की जा रही है। बंद मार्गों को खोलने के लिए अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान जहां तमाम अधिकारी-कर्मचारियों की छुट्टियों पर रोक लगाई गई है, वहीं खास हिदायत दी गई है, यदि काम में लापरवाही पाई गई तो किसी को भी बख्सा नहीं जाएगा।

कैलाश दीपक अस्पताल का हुआ शुभारंभ

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । शनिवार को पूर्वी दिल्ली कड़कड़डूमा क्षेत्र में कैलाश दीपक अस्पताल का शुभारंभ किया गया। दीपक मेमोरियल फाउंडेशन व कैलाश अस्पताल समूह द्वारा संचालित इस अस्पताल के उद्घाटन समारोह के अवसर पर भाजपा के पूर्व केंद्रीय मंत्री और

गौतमबुद्ध नगर सांसद डॉ महेश शर्मा सहित भाजपा के तमाम कद्दावर नेता पहुंचे। इस मौके पर कैलाश अस्पताल समूह के संस्थापक डॉ महेश शर्मा ने कहा कि वे अपनी विशेषताओं के साथ पूर्ण क्षमताओं से कंधे से कंधा मिलाकर इस अस्पताल को दिल्ली का सर्वश्रेष्ठ अस्पताल बनाने की कोशिश करेंगे। डॉ शर्मा ने दीपक मेमोरियल फाउंडेशन के अध्यक्ष एसएस गर्ग आभार जताते हुए कहा कि हम कृतज्ञ है कि उन्होंने अपना नाम हमारे नाम से जोड़ने की अनुमति देकर इस सहभागिता की प्रमाणिकता को साकार रूप प्रदान किया है। वहीं दीपक मेमोरियल फाउंडेशन के अध्यक्ष एसएस गर्ग द्वारा जानकारी दी गई कि फाउंडेशन एक नवीनतम एवं अत्याधुनिक स्वरूप के साथ विश्व स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित सुपर मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल ईस्ट दिल्ली को विनम्रता पूर्वक समर्पित करता है। प्रथम चरण में 150 बिस्तर से प्रारंभ कर भविष्य में आवश्यकता अनुसार 520 बिस्तर तक विस्तार किया जा सकता है। अत्याधुनिक सुविधाओं से होगा लैस इस मौके पर डॉक्टर कार्तिक ने बताया कि अस्पताल में अत्याधुनिक उपकरण जैसे एम आर आई, सिटी स्कैन आदि तमाम अत्याधुनिक सुविधाओं सहित 40 बिस्तर की आईसीयू 8 मॉड्यूलर ओटी एवं लैबोरेट्री के साथ साथ होम सैंपल कलेक्शन दवाइयों की होम डिलीवरी एवं मेडिकल सुविधाओं की घर पर ही उपलब्धता भी इस अस्पताल द्वारा कराई जाएगी। अस्पताल में 16 के एल डी का लिक्विड ऑक्सीजन टैंक की उपलब्धता के साथ-साथ, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के सौजन्य से मेडिकल ऑक्सीजन ज नेशन प्लांट 1000 एलपीएम क्षमता का भी लगाया गया है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में रोबोटिक सर्जरी, ऑर्गन ट्रांसप्लांट एवं ऑकोलॉजी (कैंसर का इलाज) जैसी स्पेशलिटी भी शीघ्र ही प्रारंभ की जाएगी। भाजपाई दिग्गजों ने की शिरकत उद्घाटन समारोह में राम निवास गोयल अध्यक्ष विधानसभा दिल्ली, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन, सांसद गौतम गंभीर एवं मनोज तिवारी डॉक्टर नरेंद्र नाथ पूर्व मंत्री दिल्ली, क्षेत्रीय विधायक ओम प्रकाश शर्मा, पूर्व विधायक डॉक्टर नसीब सिंह, मोहन सिंह बिष्ट,भाजपा एमएलसी श्रीचंद शर्मा आदि सहित लगभग पांच हजार से भी ज्यादा लोग उपस्थित रहे। जनता से की अपील उद्घाटन के अवसर पर अस्पताल प्रबंधन ने सभी क्षेत्र वासियों से अपील की है कि यदि कोई घायल सड़क पर देखेंगे अथवा यदि आपकी गाड़ी से भी कोई घायल हो गया है तो उसे तुरंत अस्पताल अवश्य पहुंचाएं। आप से किसी भी प्रकार की पूछताछ नहीं की जाएगी और ना ही अनजान घायल को लाने पर पैसे की मांग की जाएगी। आप हमारी हेल्प लाइन नंबर 011-35-35-35-35 एवं 999-0-33-33-33 पर अभी तुरंत सूचना दे सकते है। डॉ. शर्मा की सादगी की खूब रही चर्चा लगातार दूसरी बार गौतमबुद्ध नगर के सांसद और पहले ही कार्यकाल में तीन तीन मंत्रालयों की जिम्मेदारी उठा चुके डॉ महेश शर्मा को भारतीय जनता पार्टी में एक समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नवरतनें में से एक कहा जाता था। संघ से लेकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व तक इनकी अपनी अलग पहचान है। इस उद्घाटन समारोह में जिस प्रकार डॉ शर्मा अतिथियों के स्वागत में मुख्य द्वार पर माला और अंगवस्त्र लेकर खड़े थे,लोगों में उनकी सादगी और मेहमाननवाजी की खासी चर्चा रही। इस दौरान डॉ शर्मा ने पदाधिकारी, नेता या कार्यकर्ता सभी का बखूबी स्वागत किया।

संदीप सरावगी बने उ0प्र0 उद्योग व्यापार मंडल के मंडल चेयरमैन

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक आशीर्वाद बैंकट हॉल जानसठ रोड,मुजफ्फरनगर मैं हुई संपनन। बैठक में सर्वप्रथम अपने परम श्रद्धेय

भामाशाह एवं स्मरणीय पं. श्याम बिहारी मिश्रा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर बैठक का शुभारंभ किया गया। कार्यसमिति की बैठक में व्यापारियों के हितों में उनके द्वारा किया गया व्यापार के संबंध में सरकार की नीति और नियत पर प्रकाश डालते हुए अपने आप को सशक्त और मजबूत बनाने पर बल दिया गया। जिसमें कोई शासन का कर हो या शासन प्रशासन द्वारा व्यापारियों के उत्पीड़न की बात हो इसको लेकर गहन मंथन किया गया और आगामी इस बात को ध्यान में रखते हुए की व्यापारियों से व्यापार है और व्यापार से देश का उद्धार है अगर इसी तरह शोषण और उत्पीड़न होता रहा तो व्यापारी इसको सहन नहीं करेंगेऔर आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। जिसकी जिम्मेदारी देश और प्रदेश की सरकारों की होगी। वही प्रदेश महामंत्री राजेंद्र गुप्ता ने उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का स्वर्ण जयंती समारोह आयोजित करने पर विचार विमर्श किया इस पर अध्यक्ष मुकुंद्र मिश्रा जी द्वारा सहमति जताई गई और आगामी कार्यक्रम के संयोजक विवेक निरोचा को नियुक्त किया गया। वही झांसी मंडल कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें डॉ.संदीप सरावगी को झांसी मंडल का चेयरमैन एवं राज नारायण मिश्रा जी को झांसी मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसी क्रम में मंडल की कमेटी में अनिल कुमार जैन मंडलीय मंत्री, अविनाश चंद्र द्विवेदी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आखिलेश गुप्ता कोषाध्यक्ष, लालाराम विश्वकर्मा संरक्षक, खुशाली चंद्र जैन उपाध्यक्ष, सुनील कुमार अग्रवाल गुड्डू उपाध्यक्ष, राजीव पटवारी उपाध्यक्ष, सुरेंद्र गुप्ता मंत्री, साकेत गुप्ता मंत्री, आलोक खजुरिया मंत्री, सुनील अग्रवाल को संगठन मंत्री का दायित्व सौंपा गया। यह मंडलीय संगठन तीन जनपद झांसी, ललितपुर, जालौन में संगठन को मजबूत मनाने व व्यापारियों के हितो के लिए काम करेगा।

प्रगति रथ संस्था द्वारा मोमबत्ती प्रशिक्षण कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। प्रगतिरथ संस्था पिछले कई वर्षों से महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य करती आ रही है। जिसके अंतर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार संबंधित कार्यक्रम संस्था समय समय पर करती है। जिसके अंतर्गत आज दिनांक 11 जुलाई 2022 को ग्राम कलरया में मोमबत्ती प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गांव की महिलाओं एवं पुरुषों को मोमबत्ती बनाने का तरीका, कच्चा

माल आदि मोमबत्ती बनाने में उपयोग में आने वाली सामग्रियों के बारे में जानकारी दी गई। आधुनिक दौर को देखते हुए फैन्सी, विभिनन आकृतियों वाली मोमबत्ती भी सिखाई गई। सभी लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया गया। विशेषकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए स्वरोजगार स्थापित कर ने के फायदे बताए गए। इस कार्यक्रम में संस्था से डॉ.संध्या चौहान, सना, जरीना खातून, रैडोल्फ मॉरिस, अभिषेक जादौन आदि उपस्थित रहे एवं संस्था से सत्य सिंह द्वारा मोमबत्ती प्रशिक्षण दिया गया।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से राहत, राजधानी में कई जगह जलभराव से लगा जाम

नई दिल्ली । और इसके आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार सुबह बारिश से लोगों को राहत मिली। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा और गाजियाबाद

में भी तेज बारिश हो गई। हालांकि बारिश से दिल्ली-एनसीआर में कई इलाकों जलभराव से जाम लग गया। जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है।बारिश के बाद दिल्ली में आवासीय कॉलोनियों में भी जलभराव हो गया है। इस दौरान लोगों के निकलने के लिए बिल्कुल जगह नहीं बची है गाजियाबाद में वजीराबाद रोड पर निर्माणाधीन यू-टर्न की वजह से सड़क पर भारी जाम लग गया। इस दौरान दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइनें लग गईं। गाजियाबाद में मेरठ रोड तिराहे पर भी बारिश के कारण भारी जाम लगा रहा। इस दौरान वहां घंटों वाहन फंसे रहे। गाजियाबाद के गोविंदपुरम में बारिश के कारण भारी जलभराव हो गया। इस दौरान साइकिल सवार और पैदल आने-जाने वालों को वहां से गुजरने के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ा। बारिश ने प्राधिकरण की मानसून को लेकर तैयारियों की पोल खोल दी है। नोएडा में कई स्थानों पर जलभराव हो गया है। इस दौरान लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सलारपुर खादर क्षेत्र में सड़कें तालाब बन गई है। पैदल निकलने वाले लोग बड़ी मुश्किल से किनारे किनारे से निकल पा रहे हैं।

मूल्यवान ग्राहकों को गुणवत्ता पूर्ण उत्पाद एवं सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से एक हल्के वज़न वाले कम्पोजिट सिलेंडर की गयी शुरुआत

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा बताया गया कि आज इंडियन ऑयल ने अपने मूल्यवान ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद और सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से सुविधाओं के साथ एक हल्के वज़न वाले कम्पोजिट सिलेंडर की शुरुआत की गई है। उन्होंने बताया कि ये कम्पोजिट सिलेंडर मौजूदा स्टील सिलेंडरों से कई मायनों में बेहतर है। तीन परतों में बने ये कम्पोजिट सिलेंडर स्टील सिलेंडरों से वज़न में हल्के हैं। खाली कम्पोजिट सिलेंडर का वजन मात्र 5.9 किलोग्राम है जबकि स्टील के खाली सिलेंडर का वज़न 16 किलोग्राम होता है। कम वज़न के कारण कम्पोजिट सिलेंडर महिलाओं द्वारा आसानी से संभाला जा सकता है। इसकी ट्रांसल्यूसेंट बनावट (पारभासी बनावट) एलपीजी की सही मात्रा जानने समझने में मददगार होती है। इससे ग्राहकों को अपने अगले रिफिल की योजना आसानी से बनाने में मदद मिलेगी। यह जंग रोधक है। इससे सतहों पर दाग और निशान छोड़ने की संभावना कम हो जाती है। यह खूबसूरती से डिजाइन किया गया है जिससे यह देखने में आकर्षक और आज के मॉडर्न किचन के लिए आदर्श है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य कार्यालय घ्घ् के अंतर्गत कम्पोजिट सिलेंडर के 11000 कनेक्शन को चिह्नित करने के लिए कार्यकारी निदेशक और राज्य प्रमुख उत्तर प्रदेश राज्य कार्यालय ? राजकुमार दुबे, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मुख्य महाप्रबंधक (एलपीजी), उ प्र रा का ? दलीप रंगवानी, मंडल एलपीजी प्रमुख नोएडा इंडेन मंडल कार्यालय एवं अन्य अधिकारी और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एलपीजी इंडेन वितरकों की उपस्थिति में जिला मजिस्ट्रेट एवं पैरालंपियन सुहास एल0वाई0 आई0 ए0 एस0 को सौंपा जा रहा है।

दक्षिणी दिल्ली की 15 सड़कों की बदलेगी सूरत

नई दिल्ली । ट्रैफिक जाम से मिलेगा छुटकारा, ईंधन की होगी बचतमनीष सिसोदिया ने सोमवार को कालकाजी, ग्रेटर कैलाश, मालवीय नगर व कस्तूरबा नगर विधानसभा क्षेत्र की 15 सड़कों के सुदृढ़ीकरण से संबंधित कार्यों की परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन सड़कों की लंबाई 18.19 किलोमीटर है। केजरीवाल सरकार दक्षिणी दिल्ली की सड़कों को बेहतर करने की योजना पर काम कर रही है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को 15 सड़कों को सुधारने के लिए 23.24 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी। सिसोदिया का दावा है कि इन सड़कों के सुदृढ़ीकरण से आवाजाही सुगम होगी। ट्रैफिक जाम से छुटकारा मिलने के साथ समय व ईंधन की भी बचत होगी।

मीडिया क्लब ने आम महोत्सव आयोजित किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । सेक्टर 29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में नोएडा प्रेस क्लब व पूरब-पश्चिम महासंघ के तत्वाधान में आम महोत्सव का आयोजन किया

गया स्याना बुलंदशहर के भिनन भिनन किस्म के आमों की सभी ने खूब प्रशंसा की। हिन्दुस्तान टाइम्स के वरिष्ठ पत्रकार विनोद राजपुत् महासचिव नोएडा मीडिया क्लब ने इस आम उत्सव प्रोग्राम की वरिष्ठ पत्रकार संतोष सिंह, समाजसेवी टीकम् सिंह ने अन्य लोगों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई व आयोजन किया। आर्गेनिक आमों का प्रबंध स्याना, बुलंदशहर से अपने बाग से किया जिससे सभी लोग इस क्षेत्र के आम की विविधता से परिचित हो सकें इस कार्यक्रम में नोएडा में कार्य करने वाली विभिनन संस्थाओं व सामाजिक कार्य करने वाले लोगों ने शिरकत कर आम व लिट्टी चोखा की दावत का आनंद उठाया इस आयोजन में मुख्य रूप से राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर नोएडा विधायक पंकज सिंह दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर गौतम बुध नगर के पुलिस कमिशन्र आलोक सिंह गौतम बुध नगर के डीएम सुहास एलवाई एडिशनल कमिशन्र लव कुमार एडीसीपी रणविजय सिंह सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले योग व अध्यात्म गुरु श्री अखिल जी,नोएडा भाजपा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता,एनइए अध्यक्ष विपिन मल्हन,कुशलपाल सिंह नोवरा अध्यक्ष रंजन तोमर नोवरा महासचिव अजय चौहान आलोक सिंह आर्गेनिक आम उत्पादक-टीकम सिंह आदि ने कार्यक्रम में शिरकत की कार्यक्रम में लिट्टी चोखा व बुलंदशहर की स्याना फल पट्टी के आम का उपस्थित भद्रजनों ने सेवन किया भव्य आयोजन की व मुख्य रूप से आयोजन कर्ताओं विनोद राजपूत पंकज पाराशर संतोष सिंह रिंकू यादव की भरपूर प्रशंसा की वरिष्ठ पत्रकार संतोष सिंह ने कहा कि इस कार्यकरम का आयोजन प्रत्येक वर्ष किया जायेगा व किसान और पत्रकारों के बीच एक मैत्री का बीज रोपण किया जायेगा जिससे आर्गेनिक खेती में और नई तकनीकी का इस्तेमाल हो सके व नीति निर्धारण किसान हित मे हो सके। योग व अध्यात्म गुरु श्री अखिल जी ने कहा कि हमने पिछले कुछ वर्षों में कोरोना महामारी के प्रकोप को झेला जिसमे देखा गया कि जनमानस की रोगप्रतिरोधक क्षमता प्रकृति से दूरी बना लेने के कारण बहुत कमजोर हो गयी है जिस कारण बहुत भयावह स्तिथि का देश दुनिया को सामना करना पड़ा। हमे अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए जिसके लिए हमे योग से व प्रकृति से तालमेल बिठाकर जीवन यापन करना चाहिए आम प्रकृति का नायाब तोहफा है आम जनमानस के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है आम महोत्सव करने वालो को गुरुजी ने आशीर्वाद दिया।इस मौके पर मीडिया क्लब के सभी पत्रकार बंधु मौजूद रहे।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सत्येंद्र जैन और वैभव को कोर्ट से झटका

नई दिल्ली । न्यायिक हिरासत 20 जुलाई तक बढ़ाईकोर्ट ने दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन और वैभव जैन की न्यायिक हिरासत 20 जुलाई तक बढ़ा दी है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 30 मई 2022 को सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन और वैभव जैन की न्यायिक हिरासत 20 जुलाई तक बढ़ा दी है। राउज एवेन्यू कोर्ट स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश गीतांजलि गोयल के समक्ष प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को वैभव जैन की रिमांड अवधि व जैन की न्यायिक हिरासत खत्म होने पर पेश किया। मामले में तीसरा आरोपी अंकुश जैन पहले से ही न्यायिक हिरासत में है। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश अधिवक्ता हुसैन और नवीन कुमार मट्टा ने अदालत को बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मंत्री की मदद करने वालों में अंकुश जैन और वैभव जैन भी शामिल हैं। उन्होंने आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ाने का आग्रह किया। अदालत ने उनके आग्रह पर आरोपियों की न्यायिक हिरासत अवधि बढ़ा दी।इस मामले में 30 मई 2022 को सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार किया गया था। इनके अलावा नवीन जैन और सिद्धार्थ जैन (राम प्रकाश ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक), जी एस मथारू (प्लेडेंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स चलाने वाले लाला शेर सिंह जीवन विज्ञान ट्रस्ट के अध्यक्ष) हैं। ईडी ने बताया कि योगेश कुमार जैन (राम प्रकाश ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक) अंकुश जैन के ससुर और लाला शेर सिंह जीवन विज्ञान ट्रस्ट भी सत्येंद्र जैन की सहायता के लिए ईडी के रडार पर हैं।ईडी ने 6 जून को दिल्ली-एनसीआर में विभिनन स्थानों पर छापामारी के दौरान सत्येंद्र जैन के सहयोगियों से 2.85 करोड़ नकद और 1.80 किलोग्राम वजन के 133 सोने के सिक्के जब्त किए थे। इस दौरान विभिनन आपत्तिजनक दस्तावेज

और डिजिटल रिकॉर्ड भी जब्त किए थे। ईडी ने तब कहा कि कुल चल संपत्ति 'एक अस्पष्ट स्रोत' से जब्त की गई थी। मामले में ईडी की जांच से पता चला है कि लाला शेर सिंह जीवन विज्ञान ट्रस्ट के एक साथी ने संपत्ति को अलग करने और प्रक्रिया को विफल करने के लिए सत्येंद्र जैन के स्वामित्व वाली कंपनी से सहयोगियों के परिवार के सदस्यों को जमीन के हस्तांतरण के लिए आवास प्रविष्टियां प्रदान की थीं। ईडी ने 24 अगस्त 2017 को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज एक प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर रोकथाम की धारा 13(2) के साथ पठित 13(1) (ई) के तहत धन शोधन की जांच भी शुरू की थी। बाद में सत्येंद्र जैन, पूनम जैन, अजीत प्रसाद जैन, सुनील कुमार जैन, वैभव जैन और अंकुश जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। सीबीआई ने 3 दिसंबर 2018 को सत्येंद्र कुमार जैन, पूनम जैन, अजीत प्रसाद जैन, सुनील कुमार जैन, वैभव जैन और अंकुश जैन के खिलाफ चार्जशीट दायर की। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राजधानी के वसंत विहार इलाके में पेड़ों के चारों ओर से कंक्रीट का ढांचा नहीं हटाने के मामले में 38.7 लाख रुपये का जुर्माना लगाने के उप वन संरक्षक के आदेश को चुनौती देने वाली लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूयूडी) की याचिका पर वन और वन्यजीव विभाग से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने पीडब्लूयूडी की याचिका पर वन और वन्यजीव विभाग के पश्चिम वन संभाग के उप संरक्षक-वृक्ष अधिकारी को अपना पक्ष रखने का निर्देश देते हुए सुनवाई 24 नवंबर तय की है। साथ ही, अदालत ने पीडब्लूयूडी के वकील को कुछ अतिरिक्त दस्तावेज रिकॉर्ड में पेश करने की मंजूरी प्रदान की है। पीडब्लूयूडी ने याचिका में उप वन संरक्षक (डीसीएफ) के 4 फरवरी के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उस पर 38.7 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। याची ने कहा कि फरवरी के आदेश को रद्द किया जाए, क्योंकि वर्तमान मामले में गलत और मनमाने ढंग से तथ्यों को नजरअंदाज कर जुर्माना लगाया गया है। पीडब्लूयूडी ने कहा कि अनुपालन रिपोर्ट दाखिल न करने के लिए जुर्माना लगाया गया है। इस तथ्य के बावजूद कि विभिन्न अनुपालन रिपोर्ट उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की गई थी। डीसीएफ के आदेश के अनुसार, वसंत विहार के पीडब्लूयूडी क्षेत्र में 387 पेड़ थे, जो अभी भी कंक्रीट की बाड़ों से घिरे हुए थे और इसने 10 हजार प्रति पेड़ के हिसाब से 387 पेड़ों के लिए कुल 38.7 लाख का जुर्माना लगाया था। डीसीएफ के 2015 के सार्वजनिक नोटिस के अनुसार दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम 1994 के तहत साइन बोर्ड या साइनेज, बिजली के तार और हाईटेंशन केबल लगाकर पेड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले सभी व्यक्तियों पर 10 हजार का जुर्माना लगाया जाएगा।उच्च न्यायालय ने शादी का झांसा देकर कथित दुष्कर्म के मामले में दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति आशा मेनन ने प्राथमिकी रद्द करने से इनकार करते हुए कहा कि शारीरिक संबंध जारी रहने के दावे को नकारा नहीं जा सकता। आरोपी कानून का जानकार है और उससे इस प्रकार की अपेक्षा नहीं की जा सकती शकरपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार आरोपी पीड़िता को कथित तौर पर जनवरी 2021 में शिमला और कांगड़ा ले गया था। ज्वाला देवी मंदिर में आरोपी ने पीड़िता के माथे पर तिलक किया और गले में धागा बांधा। इसके बाद वे कांगड़ा के होटल में रुके और शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह उसकी सहमति और विश्वास पर था, क्योंकि आरोपी ने उसे आश्वासन दिया था कि वह अपने माता-पिता से बात करेगा और उन्हें उनकी शादी के लिए राजी करेगा। इसके बाद दोनों एक-दूसरे के साथ समय बिताते रहे। पीड़िता ने तर्क रखा कि प्राथमिकी 9 नवंबर 2021 को स्पष्ट रूप से बिना देरी के दर्ज की गई थी। अदालत ने कहा, शिकायतकर्ता पहली बार अप्रैल 2020 में याचिकाकर्ता से मिली थी। जब वह शकरपुर थाने में शिकायत करने गई थी।

जब परिवार वाले ही बन गए थे साई पल्लवी के प्यार के दुश्मन

नई दिल्ली । लव लेटर लिखने पर मिला था ऐसा रिएक्शन साउथ इंडस्ट्री की जानी मानी अभिनेत्री साई पल्लवी अपनी बेहतरीन अदाकारी और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों अभिनेत्री राना दग्गुबती के साथ अपनी फिल्म 'विराट पर्वम' के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। अभिनेत्री अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर ज्यादा बात तो नहीं करतीं, लेकिन हाल ही में उन्होंने अपनी लव लाइफ को लेकर बात की और एक बड़ा ही मजेदार किस्सा सबके साथ शेयर किया। दरअसल, साई पल्लवी नेटफ्लिक्स द्वारा संचालित शो 'माई विलेज' में राना दग्गुबती के साथ फिल्म के प्रमोशन के लिए पहुंची थीं। इस दौरान अभिनेत्री ने एक मजेदार किस्सा बताया कि कैसे उनके परिवार वाले ही उनके प्यार के दुश्मन बन गए थे। बातचीत के दौरान साई पल्लवी ने बताया कि बचपन में उन्होंने एक लड़के के लिए लव लेटर लिखा था, लेकिन उनके घरवालों ने उन्हें पकड़ लिया और उनकी खूब पिटाई हुई थी। फिल्म 'विराट पर्वम' में एक सीन है, जिसमें साई पल्लवी अपनी जान जोखिम में डालकर राना दग्गुबती के लिए लेटर लिखती हैं। इस सीन को लेकर साई पल्लवी से पूछा गया था कि क्या ये लेटर उन्होंने खुद लिखा था या फिर लिखने की एक्टिंग कर रही थीं? इस पर उन्होंने कहा, 'फिल्म में डायरेक्टर के कहने पर मैंने ये लेटर लिखा था। अपनी मर्जी से एक बार ही लिखा था, जब मैं सातवीं क्लास में थी। उस दौरान मैंने एक लड़के के लिए लव लेटर लिखा था, लेकिन मेरे घरवालों ने मुझे पकड़ लिया और मेरी पिटाई हुई थी।' इस पूरे किस्से को साई पल्लवी ने बड़े ही मजेदार तरीके से बताया। बता दें कि साई पल्लवी और राना दग्गुबती की फिल्म 'विराट पर्वम' 17 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन दर्शकों को यह कुछ खास रास नहीं आई। वहीं, अब फिल्म को 1 जुलाई से ओटीटी प्लेफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज कर दिया गया है। ऐसे में साई पल्लवी और राना दग्गुबती फिल्म को प्रमोट करने के लिए नेटफ्लिक्स के शो में पहुंचे थे।

मुंबई लौंटी आलिया, शादी के बंधन में बंधे पायल-संग्राम

नई दिल्ली । पढ़ें आज की बड़ी खबरेंअभिनेत्री आलिया भट्ट रविवार तड़के यूरोप से अपने हॉलीवुड डेब्यू 'हार्ट ऑफ स्टोन' की शूटिंग कर मुंबई लौट आई है। वहीं पायल रोहतगी और संग्राम सिंह ने अपनी शादी की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की है। यहां पढ़ें मनोरंजन जगत से जुड़ा हर एक अपडेट-मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। आज उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर अपना एक फनी वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह अपनी दोस्तों के साथ मस्ती करती नजर आ रही हैं। बॉलीवुड के किंग यानि शाहरुख खान हर बार ईद के मौके पर अपने फैंस की इच्छाएं पूरी करते हैं। ईद हो या बकरीद शाहरुख हमेशा अपने घर की बालकनी में आकर फैंस का अभिवादन करना कभी नहीं भूलते हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ है। रितेश देशमुख अपनी आने वाली मराठी फिल्म 'वेद' के साथ निर्देशन की शुरुआत कर रहे

हैं। अभिनेता ने बताया कि इस फिल्म में उनके साथ सलमान खान भी कैमियो रोल करते नजर आएंगे। इसके लिए रितेश ने सलमान का भी आभार जताया। रितेश देशमुख ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कुछ तस्वीरें भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं।

केजीएफ' स्टार यश के फैंस के लिए आई बुरी खबर....

नई दिल्ली । नहीं होगा रॉकी भाई की फिल्म का एलानसाउथ अभिनेता यश फैंस के फेवरेट बन गए हैं। वह आखिरी बार 'केजीएफ चैप्टर 2' में नजर आए थे, जिसने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। 'केजीएफ 2' की रिलीज के बाद से ही फैंस इसके तीसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसके लिए फैंस के अभी थोड़ा इंतजार करना होगा। लेकिन इन सबके बीच यश के फैंस ये भी जानना चाहता है कि उनकी अगली फिल्म कौन सी होगी। इसी वजह से बीते दिन सोशल मीडिया पर 'यश 19' तक ट्रेंड करने लगा था। लेकिन अब रॉकी भाई के फैंस के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। दरअसल, सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि यश अपनी अगली फिल्म का जल्द ही एलान कर सकते है और इन खबर से ही फैंस काफी ज्यादा एक्साइडेट हो गए, जिसके चलते देखते ही देखते रविवार

को ट्विटर पर यश 19 ट्रेंड करने लगा। लेकिन अब खबर आ रही है कि यश अपनी किसी भी फिल्म का एलान नहीं करने वाले हैं। दावा किया जा रहा है कि यश ने अपनी आने वाली फिल्म के एलान को लंबे समय तक रोकने का फैसला लिया है, जिस वजह से अब फैंस को उनकी अपकमिंग फिल्म की जानकारी नहीं मिल पाएगी। यश अपनी अगली फिल्म में पूजा हेगड़े के साथ रोमांस करते हुए नजर आ सकते है। कई रिपोर्ट्स में दावा है कि उनकी अगली फिल्म का नाम 'यश 19' हो सकता है। पूजा हेगड़े को 'यश 19' के निर्माताओं द्वारा संपर्क किया गया है। इस फिल्म का निर्देशन नर्तन द्वारा किया जाएगा। बता दें कि नर्तन वही है, जिन्होंने 2017 में आई कनन्ड़ फिल्म 'मुफ्ती' का निर्देशन किया था। यदि पूजा हेगड़े और मेकर्स इस प्रोजेक्ट पर राजी हो जाते है तो हम पहली बार अभिनेत्री और यश को स्क्रीन शेयर करते हुए देखेंगे यश की 'केजीएफ चैप्टर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 1200 करोड़ का कलेक्शन किया था।

जब ड्रीम गर्ल को गले लगाने के लिए धर्मेंद्र ने दी थी स्पॉटबॉय को रिश्वत

नई दिल्ली । उड़ाए थे दो हजार रुपये बॉलीवुड के ही-मैन धर्मेंद्र का बॉलीवुड में अलग अंदाज रहा है। आज भी वह अपने इसी अनोखे अंदाज के लिए फैंस के बीच काफी पसंद किए जाते हैं। उनका यही स्टाइल एक बार तब देखने को मिला था, जब वह ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी मगर वह धर्मेंद्र के शादीशुदा होने की वजह से उनके नजदीक नहीं जाना चाहती थीं। मगर, धर्मेंद्र थे कि वह हेमा को मनाने की हर कोशिश कर रहे थे। इसका एक दिलचस्प वाकया है। एक बार धर्मेंद्र ने हेमा मालिनी को गले लगाने के लिए रिश्वत तक दे डाली थी।फिल्म सौर बार रिक्रिएट कराया। ऐसा करके उन्हें उतनी ही बार हेमा मालिनी को गले लगाने का मौका मिला। मगर इससे उनकी जेब पर अच्छी खासी मार पड़ी। पूरे सौ रीटेक के धर्मेंद्र को दो हजार रुपये स्पॉटबॉय को देने पड़े।रिपोर्ट्स के मुताबिक धर्मेंद्र की मदद करने वाले

के प्यार की गिरफ्त में थे। धर्मेंद्र किसी भी तरह हेमा मालिनी के नजदीक जाना चाहते थे। एक बार उन्होंने इसी लालच में दो हजार रुपये उड़ा दिए थे। यह वाकया फिल्म 'शोले' की शूटिंग के वक्त का है। बता दें कि धर्मेंद्र और हेमा मालिनी के प्यार के किस्से बॉलीवुड गलियारों में खूब मशहूर रहे हैं। यह उस दौर की बात है जब शादीशुदा धर्मेंद्र को बेहद हसीन हेमा मालिनी से प्यार हो गया था। दोनों फिल्म 'शोले' में काम कर रहे थे। प्यार हेमा मालिनी को भी था, 'शोले' की शूटिंग चल रही थी। इस दौरान धर्मेंद्र को हेमा मालिनी को बंदूक चलानी सिखाना था। बस धर्मेंद्र को अहसास हो गया कि हेमा मालिनी के करीब आने का इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा। इसलिए वह इससे चूकना नहीं चाहते थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके लिए धर्मेंद्र ने बार-बार सीन को रीटेक करने के लिए स्पॉटबॉय के साथ सेटिंग की और 20 रुपये प्रति रीटेक का भुगतान किया। धर्मेंद्र ने हेमा को बंदूक चलानी सिखाने वाले सीन को एक या दो बार नहीं, बल्कि पूरे स्पॉटबॉय वास्तव में उन्हें जानते थे, क्योंकि उन्होंने फिल्म से पहले साथ काम किया था। धर्मेंद्र ने पहले ही स्पॉटबॉय को समझाया था कि अगर उन्होंने कान खींच लिया तो इसका मतलब होगा कि शॉट में कुछ गड़बड़ है। ऐसा करते हुए धर्मेंद्र ने इतने रीटेक किए कि उन्हें दो हजार रुपये देने पड़े। बता दें कि बाद में जाकर वर्ष 1980 में हेमा मालिनी और धर्मेंद्र ने शादी भी की। उनकी दो बेटियां- ईशा देओल और आहना देओल हैं।

मुकेश खन्ना के हाथ में रहेगी फिल्म 'शक्तिमान' की कमान

नई दिल्ली । रणवीर सिंह की तरफ से अब तक नहीं ग्रीन सिगन्लनेटफ्लिक्स पर अभिनेता रणवीर सिंह के नए शो 'रणवीर वर्सेस वाइल्ड' की रिलीज के साथ ही अचानक से उनके बड़े परदे पर 'शक्तिमान' बनने की अटकलों की खबरों का असली सच अब सामने आने लगा है। मार्वल सिनेमैटिक

यूनिवर्स के सबसे लोकप्रिय किरदार 'स्पाइडरमैन' और 'वेनम' जैसे सुपरहीरो की फिल्में बनाने वाली सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट में अभी इस फिल्म को लेकर कोई चर्चा ही नहीं चल रही है। खुद सोनी पिक्चर्स के लोग हैरान हैं कि आखिर ये रणवीर सिंह वाली 'शक्तिमान' बना कौन रहा है क्योंकि इस किरदार के राइट्स तो उनके पास हैं। इस बीच, सोनी पिक्चर्स को अपनी कंपनी के बनाए किरदार 'शक्तिमान' के अधिकार बेचने वाले अभिनेता मुकेश खन्नन ने साफ किया है बिना उनके शक्तिमान नहीं बनेगा। मुकेश खन्नन ने अपने चर्चित धारावाहिक 'शक्तिमान' के अधिकार सोनी पिक्चर्स को दे दिए हैं। मुकेश खन्नन कहते हैं, 'ये प्रोजेक्ट मेरे पास कई साल के बाद आया है। लोग मुझसे बोलते थे कि शक्तिमान 2 बनाइए। मुझे शक्तिमान को टीवी पर फिर नहीं लाना था। अंदर अंदर बातें होती तो मैंने सोनी वालों के साथ हाथ मिला लिया उन्होंने भी इसे सार्वजनिक कर दिया है और मैंने भी। कर दिया। लोग पूछते हैं कि कि अब आगे क्या हो रहा है? अब लोगो को मैं क्या बोलूं क्योंकि यह बड़ी फिल्म है कम से कम तीन सौ करोड़ की। जब तक सब अनुबंधित नहीं हो जाते तब तक इस बारे में ज्यादा कुछ बता नहीं सकते।' इस बारे में काफी कुरेदने पर मुकेश खनन बताते हैं, 'ये फिल्म स्पाइडर मैन बनाने वाले बना रहे हैं। लेकिन, शक्तिमान देसी होगा। फिल्म की कहानी मैंने अपने हिसाब से तैयार करवाई है। मेरी उनसे यही शर्त थी कि आप कहानी नहीं बदलेंगे। लोग पूछते हैं कि शक्तिमान कौन बनेगा? यह भी अपने आप में बहुत बड़ा सवाल है, जिसका जवाब मैं नहीं दूंगा लेकिन यह भी तय है कि बिना मुकेश खनन के शक्तिमान नहीं बनेगा। क्योंकि अगर दूसरा कोई शक्तिमान बनेगा तो पूरा देश उसे स्वीकार नहीं करेगा।' यह पूछने पर कि क्या फिल्म को कोई हॉलीवुड का निर्देशक निर्देशित करेगा? मुकेश खनन ने कहा कि फिल्म की कहानी हिंदुस्तान की है तो निर्देशक भी यही का होगा क्योंकि बाहर का निर्देशक हिन्दुस्तान की कहानी को समझ नहीं पाएगा। बीते कुछ दिनों से अभिनेता रणवीर सिंह का नाम फिल्म 'शक्तिमान' को लेकर खूब उछल रहा है। रणवीर सिंह की टीम तक को फिलहाल ये नहीं पता है कि ऐसी कोई फिल्म रणवीर सिंह कर रहे हैं, या उन्होंने ऐसी कोई स्क्रिप्ट सुनी है या किसी से उन्होंने इस बारे में चर्चा भी की है। रणवीर सिंह के करीबी सूत्र ये भी बताते हैं कि रणवीर को पहले करण जौहर की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का काम खत्म करना है और इसके बाद वह संजय लीला भंसाली की फिल्म 'बैजू बावरा' की शूटिंग शुरू करेंगे। जिस तरह से भंसाली अपनी फिल्में बनाते है, उसके हिसाब से वैसे भी रणवीर सिंह के पास 2024 तक अभी कोई नई फिल्म शुरू करने का समय ही नहीं है।'शक्तिमान' से फिर रणवीर सिंह का नाम जुड़ा कैसे, इस बारे में तफ्तीश करने पर सामने ये आया है कि ये गॉसिप बनाने वालों का काम लगता है। नेटफ्लिक्स की सीरीज 'रणवीर वर्सेज वाइल्ड' की रिलीज के दौरान रणवीर का नाम चर्चा में रहे, इसके लिए हो सकता है कि ये सुरसुरी छोड़ी गई हो। लेकिन, रणवीर की टीम से भी अब तक इनमें से किसी ने फिल्म 'शक्तिमान' में होने न होने को लेकर संपर्क तक नहीं किया है। रणवीर सिंह की बीती दो फिल्में '83' और 'जयेशभाई जोरदार' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी है। टेलीविजन पर भी उनका शो अपेक्षित टीआरपी हासिल नहीं कर सका था। अब अपने ओटीटी डेब्यू को हिट कराने के लिए रणवीर सिंह भी खासा जोर लगा रहे हैं।

वीकएंड पर बेस्ट कमाई वाली पांचवी फिल्म बनी 'थॉर 4

नई दिल्ली । मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की 29वीं कड़ी के रूप में रिलीज हुई मार्वल स्टूडियोज की नई फिल्म 'थॉरः लव एंड थंडर' ने रिलीज के पहले सप्ताहांत में ही 60 करोड़ रुपये से ऊपर की कमाई करके एक नया रिकॉर्ड बना दिया है। देश में अब तक रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्मों की पहले सप्ताहांत में हुई कमाई के मामले में अब ये फिल्म पांचवें नंबर पर पहुंच गई है। इस स्थान पर अब तक कायम रही डिजने की एनीमेशन फिल्म

'द लॉयन किंग' टॉप 5 की लिस्ट से बाहर हो गई है। फिल्म ने सिर्फ हिंदी में पहले चार दिनों मे करीब 18 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।अमेरिका से एक दिन पहले भारत में रिलीज हुई फिल्म 'थॉरः लव एंड थंडर' ने पहले ही दिन 18.60 करोड़ रुपये की शानदार ओपनिंग की। शुक्रवार को फिल्म का कलेक्शन गिरकर हालांकि 11.55 करोड़ रुपये पर आ गया था लेकिन शनिवार को फिल्म ने 36 फीसदी की बढ़त के साथ शानदार वापसी की और इस दिन 16.70 करोड़ रुपये कमाए। रविवार के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने सभी भाषाओं को मिलाकर करीब 18 करोड़ रुपये कमाए हैं। फिल्म की पहले चार दिन की कमाई के 60 करोड़ रुपये से ऊपर निकल जाने के साथ ही ये फिल्म अब देश में अब तक रिलीज हुई सारी हॉलीवुड फिल्मों में पहले सप्ताहांत पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पांचवीं फिल्म बन गई है। फिल्म 'थॉरः लव एंड थंडर' की रविवार की कमाई शुरुआती आंकड़ों के हिसाब से करीब 18 करोड़ रुपये रही। इसके साथ ही फिल्म देश में अब तक रिलीज हुई सारी हॉलीवुड फिल्मों मे पहले वीकएंड की कमाई की लिस्ट में पांचवें स्थान पर अपना नाम दर्ज कराने में सफल रही। इस स्थान पर अभी तक डिजने की फिल्म 'द लॉयन किंग' थी जिसने साल 2019 में रिलीज के समय पहले वीकएंड में 54.75 करोड़ रुपये की कमाई की। कमाई का ये आंकड़ा फिल्म 'थॉरः लव एंड थंडर' ने रविवार को आसानी से पार कर लिया। भारत में रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्मों की पहले वीकएंड की कमाई के हिसाब से टॉप 5 फिल्मों की सूची इस प्रकार हैः भारत में मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स के प्रशंसकों की संख्या इसकी साल 2008 में रिलीज हुई पहली 'आयरमैन' के बाद से लगातार बढ़ती जा रही है।

सिर्फ 12वीं तक पढ़े हैं बॉलीवुड के ये सितारे

नई दिल्ली । बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेता जल्द ही ब्रह्मास्त्र और शमशेरा में नजर आने वाले हैं। ऐसे में एक्टर जमकर अपनी फिल्मों का प्रमोशन कर रहे हैं। इसी क्रम में अपनी फिल्म शमशेरा

के एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान अभिनेता ने अपने एजुकेशनल बैकग्राउंड को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया। रणबीर कपूर ने बताया कि कपूर परिवार में 10वीं पास करने वाले वह पहले लड़के हैं। इतना ही नहीं इस दौरान अभिनेता ने यह भी बताया कि दसवीं की बोर्ड परीक्षा में उन्हें 54.3 फ़ीसदी मार्क्स मिले थे। हालांकि, अभिनेता इंडस्ट्री के पहले ऐसे कलाकार नहीं हैं, जो पढ़ाई से जी चुराते हो। मनोरंजन जगत में ऐसे कई कलाकार है, जो मुश्किल से 12वीं पास हैं। आइए जानते हैं इंडस्ट्री के ऐसे ही कुछ कलाकारों के बारे में- फिल्म इंडस्ट्री की पंगा गर्ल कही जाने वाली अभिनेत्री कंगना रणौत बचपन से ही मनोरंजन जगत में आना चाहती थी। लेकिन माता-पिता की बात मानकर वह डॉक्टर बनने की राह पर चल पड़ी। लेकिन उनका मन हमेशा से ही अपने सपने की ओर था। ऐसे में एक्ट्रेस 12वीं क्लास में फेल होने के बाद घर छोड़कर दिल्ली भाग गईं और आज इंडस्ट्री में एक सफल अभिनेत्री है।बोनी कपूर के बेटे अर्जुन कपूर आज फिल्म इंडस्ट्री में एक सफल अभिनेता है। लेकिन बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि पढ़ाई के दिनों में अभिनेता कुछ खास कमाल नहीं कर पाए थे। अर्जुन कपूर कंगना की तरह 12वीं के बोर्ड परीक्षा में फेल हो गए थे, जिसके बाद उन्होंने स्कूल जाना ही बंद कर दिया।

बिना ईदी के लौटे सलमान खान के फैंस, इस वजह से प्रशंसकों से मिलने नहीं आए अभिनेता

नई दिल्ली । देशभर में कल ईद का त्योहार मनाया गया। इस खास मौके पर आम से लेकर खास सभी से अपने- अपने अंदाज में इस त्योहार का जश्न मनाया। ईद के इस मौके पर इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता शाहरुख खान और सलमान खान फैंस को इस त्योहार

की बधाई देते हैं। ऐसे में हर बार की तरह इस बार भी अभिनेताओं के फैंस उनसे मिलने उनके घर के बाहर पहुंचे। इस दौरान जहां बॉलीवुड के बादशाह अभिनेता शाहरुख खान ने अपने बेटे अबराम के साथ फैंस को ईद की बधाई दी तो वहीं एक्टर सलमान खान ने अपने फैंस को निराश को दिया। दरअसल, बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की एक झलक पाने के इंतजार में हजारों लोग अभिनेता के घर के बाहर जमा हुए। सलमान हर बार ईद को मौके पर घर के बाहर जमा हुए अपने फैंस को ईद की मुबारकबाद देने के लिए घर की बालकनी में आकर उनका अभिवादन करते थे। लेकिन इस बार सल्लू भाई के फैंस इंतजार ही करते रह गए, लेकिन उन्हें उनके चहेते कलाकार का दीदार नहीं हो सका। आखिर सलमान के यूं फैंस से ना मिलने का क्या कारण है आइए जानते है।अभिनेता ने हाल ही में हुई घटनाओं के मद्देनजर वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को तोड़ा है। रिपोर्ट्स की मानें तो लॉरेंस बिशनेई से मिली जान से मारने की धमकी को देखते हुए सलमान ने सुरक्षा कारणों से यह फैसला किया। मीडियो रिपोर्ट्स के मुताबिक एक सूत्र ने जानकारी दी कि सुरक्षा कारणों से सलमान खान के अपार्टमेंट के पास 10 स्पेशल फोर्स ऑफिसर्स को तैनात किया गया है। ये ऑफिसर फिल्म के सेट पर भी सलमान के साथ रहते हैं। यही नहीं उनकी बिल्डिंग और आसपास के इलाके में 15 सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।गौरतलब है कि 29 मई को पंजाबी गायक सिद्धू मूसे वाला की पंजाब के मानसा जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पंजाबी गायक की हत्या के बाद बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को भी जान से मारने की धमकी की गई थी। यही नहीं कई रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया था कि सलमान की हत्या करने के लिए शार्प शूटर उनके घर के बाहर उनके करीब पहुंच गया था।

जब नशे की वजह से डूब गया था संजय दत्त का करियर

नई दिल्ली । इस एक्टर ने दिया था सहाराबॉलीवुड इंडस्ट्री के अभिनेता रहे कुमार गौरव आज 66 साल के हो गए हैं। कुमार गौरव बॉलीवुड के हिट अभिनेता राजेंद्र कुमार के बेटे हैं लेकिन वह अपने पिता की तरह फिल्मी दुनिया में अपनी छाप नहीं छोड़ पाए। कुमार गौरव ने एक्टिंग की दुनिया में अपने शुरुआती दिनों में ही अच्छा-खासा नाम बना लिया था। लेकिन इंडस्ट्री में उनकी गाड़ी चल नहीं पाई। हालांकि, उन्होंने कई यादगार फिल्में जरूर दी है, जिसमें 'लव स्टोरी' टॉप पर है। इसके अलावा भी उन्होंने कुछ हिट फिल्मों में काम किया था और उनकी एक शानदार फिल्म ने संजय दत्त का करियर बचाने का काम भी किया था। कम ही लोग जानते हैं कि कुमार गौरव की शादी संजय दत्त की बहन नम्रता दत्त से हुई है। दोनों ने साल 1984 में एक साथ अपनी जिंदगी की शुरुआत की थी। ऐसे में कुमार गौरव और संजय दत्त का रिश्ता काफी करीबी है। यह वही समय भी था जब संजय दत्त ड्रग्स केस में फंस चुके थे। 80 के दशक में ड्रग्स केस की वजह से संजय दत्त

का करियर खतरे में पड़ गया था और तब संजय दत्त का करियर बचाने के लिए कुमार गौरव आगे आए थे। कुमार गौरव ने संजय दत्त के लिए एक फिल्म बनाई थी, जो चल पड़ी। इस फिल्म का टाइटल 'नाम' है, जो साल 1986 में रिलीज हुई थी, जिसमें कुमार गौरव ने प्रोड्यूस किया था। इस फिल्म ने ही संजय दत्त के डूबते करियर को बचाने का काम किया था। हालांकि, इस फिल्म का आइडिया कुमार गौरव का नहीं था। फिल्म का आइडिया महेश भट्ट का था और यह फिल्म संजय दत्त के लिए वरदान की तरह साबित हुई। फिल्म में संजय दत्त के काम को खूब पसंद किया गया। इसके अलावा, 'नाम' बॉक्स ऑफिस पर भी ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इस फिल्म की कमाई ने 80 के दशक में धमाल मचा दिया था। हालांकि, इस फिल्म में कुमार गौरव भी नजर आए थे लेकिन फिल्म की सफलता का सारा श्रेय संजय दत्त को मिला।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर्स, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, बेकिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करें :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274